कानपुर, बुधवार, 18 मार्च, 2026
वर्ष: 03, अंक: 70, पृष्ठ: 8+4

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

swarajindia2023@gmail.com | swarajindianews | swarajindianews

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com
Website: www.swarajindianews.com

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

इनसाइड शैलपुत्रीः मां दुर्गा की पहली शक्ति की पावन कथा...>Pg12

बिजली चोरीः केस्को में दब गई एफआईआर!...>Pg03

मूल्य: 2 ₹

इंदौर में आग का तांडवः चार्जिंग पर खड़ी ईवी से लगी भीषण आग ने लील लिया परिवार

8 लोग सो गए मौत की नींद

○ तड़के शॉर्ट सर्किट से भड़की चिंगारी ने लिया विकराल रूप

○ सिलेंडर धमाकों से ढहा मकान, चीखों से गूंजा इलाका

स्वराज इंडिया ब्यूरो

इंदौर। शहर के एक रिहायशी इलाके में तड़के ऐसा खौफनाक मंजर देखने को मिला, जिसने इंसानियत को झकझोर कर रख दिया। घर के भीतर चार्जिंग पर लगी इलेक्ट्रिक कार से उठी चिंगारी कुछ ही मिनटों में मौत का तांडव बन गई और एक ही परिवार के 8 लोगों को जिंदा निगल गई। आग, धुआं और सिलेंडर धमाकों के बीच फंसे लोग मदद के लिए चीखते रहे, लेकिन बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं बचा।

जानकारी के मुताबिक, पुंगलिया परिवार रोज की तरह रात में अपनी ईवी कार को घर के अंदर चार्जिंग पर लगाकर सो गया था। तड़के करीब 4 बजे अचानक चार्जिंग पॉइंट में शॉर्ट सर्किट हुआ और कार में आग लग गई। शुरू में मामूली दिखने वाली आग ने कुछ ही पलों में विकराल रूप ले लिया और पूरे मकान को अपनी चपेट में ले लिया।

आग इतनी तेजी से फैली कि घर के अंदर मौजूद लोगों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। धुएं ने पूरे घर को घेर लिया और सांस लेना मुश्किल हो गया। इसी बीच आग की चपेट में आए गैस सिलेंडरों में एक के बाद एक भीषण धमाके होने लगे। धमाकों की गूंज से पूरा इलाका दहल उठा और मकान का बड़ा हिस्सा भरभराकर गिर पड़ा।

क्या सुरक्षित है घर के अंदर ईवी चार्जिंग?

यह हादसा साफ संकेत देता है कि बिना मानकों और सुरक्षा उपायों के घर के भीतर ईवी चार्जिंग करना जानलेवा साबित हो सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार खराब वायरिंग और ओवरलोडिंग सबसे बड़ा खतरा है। बंद जगह में चार्जिंग से आग तेजी से फैलती है। फायर सेफ्टी इंतजामों का अभाव जानलेवा हो सकता है

इस भीषण हादसे में मकान मालिक मनोज जैन पुंगलिया समेत कुल 8 लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। कई शव बुरी तरह झुलस गए, जिससे पहचान तक मुश्किल हो गई। वहीं, राहत टीम ने जान जोखिम में डालकर तीन लोगों को बाहर निकाला, जिन्हें गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलते ही दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं, लेकिन आग इतनी भयानक थी कि उसे काबू में करने में घंटों लग गए। जब तक आग बुझी, तब तक घर खंडहर में तब्दील हो चुका था और अंदर से सिर्फ राख और सन्नाटा ही बचा था।

हादसे के बाद पूरे इलाके में मातम पसरा हुआ है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, ÷पहले तेज धमाका हुआ, फिर आग की लपटें आसमान तक उठने लगीं। किसी को समझ ही नहीं आया कि कुछ ही मिनटों में पूरा परिवार खत्म हो जाएगा।÷प्रारंभिक जांच में आग का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है, लेकिन प्रशासन ने तकनीकी विशेषज्ञों की टीम गठित कर दी है, जो पूरे मामले की गहराई से जांच करेगी।

क्या हुआ उस रात?

- रात को घर के अंदर ईवी कार चार्जिंग पर लगाई गई
- तड़के 4 बजेः चार्जिंग पॉइंट में शॉर्ट सर्किट
- कुछ मिनट में कार से पूरे घर में आग फैली
- सिलेंडर धमाके से तबाही कई गुना बढ़ी
- 8 लोगों की मौत, 3 गंभीर रूप से घायल

प्रदेश सरकार के वरिष्ठ मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने घटना पर गहरा दुख जताते हुए कहा कि ईवी के बढ़ते इस्तेमाल के बीच इस तरह की घटनाएं बेहद चिंताजनक हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि आग के कारणों की उच्चस्तरीय जांच कराई जाएगी और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सख्त सुरक्षा मानक लागू किए जाएंगे। फिलहाल एक छोटी सी चिंगारी ने पूरे परिवार को खत्म कर दिया। इंदौर का यह हादसा चेतावनी है कि तकनीक के साथ सुरक्षा नहीं होगी, तो तरक्की भी त्रासदी बन सकती है।

पश्चिमी यूपी में फैलते जाल की जांच तेज

हापुड़ में ISI-स्लीपर मॉड्यूल की साजिश नाकाम, ATS ने दो संदिग्ध दबोचे

स्वराज इंडिया ब्यूरो

हापुड़। उत्तर प्रदेश में आतंकी साजिश और संगठित अपराध के गठजोड़ का एक और खतरनाक चेहरा सामने आया है। हापुड़ के धौलाना क्षेत्र के गांव पिपलैड़ा में छापेमारी कर यूपी एटीएस ने दो संदिग्धों को हिरासत में लिया है, जिनके तार पाकिस्तान से संचालित गैंगस्टर शहजाद भट्टी के नेटवर्क से जुड़े बताए जा रहे हैं। शुरुआती जांच में यह मामला सिर्फ आपराधिक नहीं बल्कि संभावित आतंकी साजिश से भी जुड़ा माना जा रहा है।

एटीएस सूत्रों के मुताबिक, पकड़े गए दोनों आरोपी एक युवक और उसका भतीजालंबे समय से सोशल मीडिया और एन्क्रिप्टेड ऐप्स के जरिए शहजाद भट्टी के संपर्क में थे। पूछताछ में सामने आया है कि दोनों की कई बार वीडियो कॉल के जरिए बातचीत हुई, जिसमें उन्हें बड़ी रकम, विदेश में बसाने और गैंग के नेटवर्क में शामिल करने का लालच दिया गया।

⇨ पाकिस्तानी गैंगस्टर के नेटवर्क से कनेक्शन, वीडियो कॉल पर 'टास्क' और मोटी रकम का लालच

जांच एजेंसियों को इनपुट मिला था कि संदिग्धों को जल्द ही कुछ 'स्पेशल टास्क' सौंपे जाने वाले थे। आशंका है कि ये टास्क संवेदनशील ठिकानों की रेकी, लॉजिस्टिक सपोर्ट या स्लीपर मॉड्यूल तैयार करने से जुड़े हो सकते थे।

इससे पहले कि साजिश जमीन पर उतरती, एटीएस ने सटीक लोकेशन ट्रेस कर कार्रवाई करते हुए दोनों को पकड़ लिया। एटीएस ने आरोपियों के मोबाइल फोन, लैपटॉप और अन्य डिजिटल डिवाइस जब्त कर लिए हैं। फॉरेंसिक जांच में चैट, कॉल रिकॉर्ड, विदेशी नंबरों से संपर्क और संदिग्ध ट्रांजैक्शन की पड़ताल की जा रही है। एजेंसियों को आशंका है कि इस नेटवर्क की जड़ें पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जिलों तक फैली हो सकती हैं।

गैंगस्टर-आतंकी गठजोड़ का खतरनाक पैटर्न

जांच में यह भी सामने आया है कि शहजाद भट्टी दुबई समेत अन्य देशों में बैठकर अपने गैंग को ऑपरेट करता है और उसका सीधा कनेक्शन आईएसआई से जुड़ा बताया जाता है। वह अपराधियों को पहले आर्थिक लालच और फिर वैचारिक रूप से प्रभावित कर स्लीपर मॉड्यूल में बदलने की रणनीति पर काम करता है। एटीएस को शक है कि आरोपी बेरोजगारी और आर्थिक तंगी से जूझ रहे युवाओं को निशाना बनाने के मिशन पर थे। ऐसे युवाओं को पहले छोटे-छोटे काम देकर भरोसे में लिया जाता है, फिर धीरे-धीरे उन्हें बड़े नेटवर्क में शामिल किया जाता है।

पूरे नेटवर्क की तलाश में एजेंसियां: फिलहाल एटीएस और अन्य केंद्रीय एजेंसियां इस बात की जांच कर रही हैं कि इस नेटवर्क में और कौन-कौन शामिल हैं, किन-किन जिलों में इसकी पहुंच है और क्या इससे पहले भी कोई गतिविधि अंजाम दी जा चुकी है। जल्द ही इस मामले में और गिरफ्तारियां संभव मानी जा रही हैं। बता दें कि अब तक 2 साल में पश्चिमी यूपी में ऐसे 5 से अधिक बड़े संदिग्ध नेटवर्क पकड़े जा चुके हैं।

प्रोत्साहन

पीएसी वाहिनी भ्रमण में 'एक दिन की सेनानायक' बनी छात्रा

बेटियों ने पहनी नेतृत्व की 'वर्दी'

» पीएम श्री योजना के तहत छात्राओं का विशेष शैक्षिक भ्रमण

» एक दिन की सेनानायक' पहल ने भरा आत्मविश्वास का संचार

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर नगर। पीएम श्री योजना के अंतर्गत राजकीय बालिका इंटर कॉलेज कैसरगंज की छात्राओं के लिए 37वीं वाहिनी पीएसी में एक विशेष 'परिचय एवं भ्रमण कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम छात्राओं के शैक्षिक भ्रमण से लौटने के दौरान आयोजित किया गया, जिसमें उन्हें सैन्य अनुशासन, सुरक्षा व्यवस्था और विभिन्न संस्थानों की कार्यप्रणाली से परिचित कराया गया।

कार्यक्रम का नेतृत्व सेनानायक बी बी चौरसिया ने किया। उन्होंने छात्राओं को न केवल पीएसी की कार्यशैली के बारे में बताया, बल्कि उनके भविष्य और करियर को लेकर भी महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम के तहत छात्राओं ने वाहिनी परिसर में स्थित बैडमिंटन कोर्ट, पुलिस मॉडर्न स्कूल और कंप्यूटर लैब भी देखा। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की मेधावी छात्रा लाइबा शेख़ को 'एक दिन के लिए प्रतीकात्मक सेनानायक' नियुक्त किया गया। छात्रा ने सेनानायक की कुर्सी पर बैठकर कार्यालयीन कार्यप्रणाली को करीब से समझा। उन्हें नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और जिम्मेदारी के महत्व से अवगत कराया गया। इस अवसर पर सेनानायक बी बी चौरसिया ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज की बेटियां हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि शिक्षा, आत्मविश्वास और साहस के बल पर कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि जीवन की चुनौतियां हमें कमजोर नहीं, बल्कि और अधिक मजबूत बनाती हैं, इसलिए कठिनाइयों से घबराने के बजाय उनसे सीख लेना चाहिए। विद्यालय की प्रधानाचार्या सुष्मिता चौरसिया, शिक्षकीय स्टाफ तथा वाहिनी के अधिकारी व कर्मचारी भी उपस्थित रहे। यह पहल न केवल शिक्षा का विस्तार है, बल्कि बेटियों के आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता को नई उड़ान देने की दिशा में एक सशक्त कदम भी है।

नन्हे कदमों ने भरी उड़ान, ग्रेजुएशन डे व स्पोर्ट्स डे में दिखा उत्साह

सेठ आनंदराम जैपुरिया स्कूल ने यह साबित किया कि वह विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। सेठ आनंदराम जैपुरिया स्कूल में मंगलवार को प्री-प्राइमरी ग्रेजुएशन डे एवं स्पोर्ट्स डे 2025-26 का भव्य आयोजन फ्रेडी टू शाइनफ्र थीम के साथ किया गया। कार्यक्रम में नन्हे विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास और उत्साह से सभी का मन मोह लिया।कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य एवं मुख्य अतिथि गणेश तिवारी के स्वागत के साथ हुआ। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्री-प्राइमरी स्तर बच्चों के जीवन की मजबूत नींव होता है और विद्यालय द्वारा उनके सर्वांगीण विकास के लिए किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं। उन्होंने सभी नन्हे ग्रेजुएट्स को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

स्पोर्ट्स डे के अंतर्गत आयोजित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं और रेस में बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। उनकी ऊर्जा, टीम भावना और तालमेल ने उपस्थित अभिभावकों और दर्शकों को खूब प्रभावित किया। अभिभावकों के लिए आयोजित मनोरंजक रेस भी आकर्षण का केंद्र रही, जिससे माहौल में उत्साह और आनंद का संचार हुआ।सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बच्चों ने समूह गायन और रंगारंग नृत्य प्रस्तुत कर सबका दिल जीत लिया। शक्तिमान, चाचा चौधरी और छोटा भीम जैसे लोकप्रिय पात्रों पर आधारित प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में जीवंतता भर दी।कार्यक्रम का विशेष आकर्षण ÷अपनी बात÷ प्रस्तुति रही, जिसमें बच्चों ने इंटरनेशनल अर्ली इयर्स करिकुलम (ढ्ढश्वङ्घष्ट) के तहत अपने सीखने के अनुभव साझा किए। बच्चों ने बताया कि इस पाठ्यक्रम ने उन्हें जिज्ञासु बनने, प्रश्न पूछने और रचनात्मक सोच विकसित करने के लिए प्रेरित किया।

उप प्रधानाचार्या मधुश्री भौमिक के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम में उप प्रधानाचार्य महेश कुमार मिश्रा एवं महाप्रबंधक शैलेंद्र अग्निहोत्री की गरिमामयी उपस्थिति रही।

अंत में सभी विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गईं। यह आयोजन बच्चों की उपलब्धियों का उत्सव होने के साथ-साथ उनके आत्मविश्वास से भरे भविष्य की ओर बढ़ते कदमों का प्रतीक भी बना।

सेठ आनंदराम जैपुरिया स्कूल ने एक बार फिर यह साबित किया कि वह विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

मैसेज आया पर सिलेंडर लापता एजेंसी के चक्कर काट रहे उपभोक्ता

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर । कानपुर में मची गैस सिलिंडर की हायतौबा के बीच अब उपभोक्ताओं के सामने नया संकट खड़ा हो गया है। कई उपभोक्ता ऐसे हैं जिन्होंने बुकिंग कराई। इसके कुछ दिन बाद उनके पास डिलीवरी का मैसेज तो आया पर सिलिंडर नहीं आया। उपभोक्ता एजेंसी पहुंचे तो वहां सिलिंडर खत्म होने की बात कहकर लौटा दिया जा रहा है। नियमों के अनुसार बिना ओटीपी के सिलिंडर डिलीवरी नहीं हो सकती है। सैकड़ों उपभोक्ता इस समस्या से परेशान हैं।

बर्रा-4 निवासी अशोक अरोड़ा ने बताया कि एक सप्ताह पहले गैस बुक कराई थी। शनिवार से वह लगातार एजेंसी के चक्कर काट रहे हैं। सोमवार को उनके मोबाइल पर डिलीवरी का मैसेज भी आ गया लेकिन एजेंसी पहुंचने पर उन्हें साफ कह दिया गया कि सिलिंडर नहीं है।

बर्रा-5 के मोनू दुबे ने 12 मार्च को बुकिंग कराई थी। मैसेज मिलने के बाद उम्मीद जगी लेकिन रविवार को नंबर आने से पहले ही सिलिंडर खत्म हो गए। सोमवार को फिर मैसेज आने पर वह एजेंसी पहुंचे जहां उन्हें दोबारा लाइन में लगा दिया गया। करीब पांच घंटे इंतजार के बाद भी उन्हें सिलिंडर नहीं मिला। बर्रा निवासी मनीष ने 11 मार्च को बुकिंग कराई थी।पहले उन्हें दो दिन बाद आने को कहा गया, फिर जब लाइन में लगे तो नंबर आते ही सिलिंडर खत्म हो गया। वह पिछले दो दिनों से लगातार लाइन में लग रहे हैं, लेकिन अब तक सिलिंडर नहीं मिल पाया। इनके पास भी डिलीवरी का मैसेज आया है। सैकड़ों उपभोक्ताओं के साथ यही स्थिति बनी हुई है। डिलीवरी का मैसेज दिखाने के बावजूद एजेंसी संचालक सिलिंडर देने में असमर्थता जता रहे हैं।रसोई गैस सिलिंडर के लिए उपभोक्ता एजेंसी के चक्कर लगा रहे हैं। कुछ लोग तो घर में सिलिंडर की डिलिवरी न किए जाने की शिकायत भी कर रहे हैं। बुकिंग तो हो रही है। और मैसेज भी आ रहे हैं लेकिन सिलिंडर एक हफ्ते बाद मिल रहा है। कुछ उपभोक्ताओं के यहां तो 10 दिन से सिलिंडर नहीं है। मंगलवार को भी गैस एजेंसियों के बाहर उपभोक्ताओं की लाइन देखी गई।गैस की किल्लत शुरू होने के बाद से अचानक इंडक्शन की मांग बढ़ी है। इससे बिजली की खपत भी बढ़ी है। केस्को के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल 14 मार्च को बिजली की खपत 398 मेगावाट थी, जो इस साल 14 मार्च को 516 मेगावाट हो गई।

एल्डिगो में पकडी बिजली चोरी केस्को में दब गई एफआईआर!

एल्डिगो में केस्को की रतनपुर डिवीजन ने की थी करीब 4 घंटे तक जांच पडताल

एफआईआर हुई लेकिन किसी को भनक तक नहीं हुई, न ही पेनाल्टी लगी

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। केस्को में किस कदर भ्रष्टाचार है, इसका अंदाजा लगाइए....! कंपनी के अधिकारी जहां छोटे घरों और बस्तियों में जाकर बिजली की छोटी-छोटी चोरी पकडकर बडी बडी वाह वाही लूटते हैं वहीं, जहां बडे पैमाने पर बिजली चोरी पकडी जाती है वहां का प्रेस नोट तक नहीं जारी किया जाता है। मामले को रफादफा कर दिया गया और यहां तक पेनाल्टी कितनी लगी इसकी भी जानकारी छिपाई जा रही है। इससे समझा जा रहा है कि केस्को में तैनात इंजीनियर किस कदर बिजली चोरी कराकर अपनी तिजोरी भर रहे हैं।

कल्यानपुर के बारासिरोही जवाहरपुरम गांव के पास एल्डिगो ने वर्ष 2014 में कई आवासीय प्रोजेक्ट शुरू किए। इसमें फेस -1 प्रोजेक्ट के लिए 1600 केवीए का सिंगल प्वाइंट कनेक्शन केस्को से लिया गया। फेस 1 का कार्य पूरा करते ही एल्डिगो ने वर्ष 2016-17 में 4 प्रोजेक्ट और बडे लांच किए। इसके लिए कोई भी नया बिजली कनेक्शन नहीं लिया गया न ही केस्को को इसकी जानकारी दी गई। एक कनेक्शन से ही अन्य प्रोजेक्ट पर बिजली का भरपूर उपयोग दिनरात किया गया। परिसर में एल्डिगो कपंनी ने एवॉक टावर नाम की 14 मंजिल इमारत खडी की। इसमें करीब 65 फ्लेट बताए जा रहे हैं। जिनकी कीमत करोडो में है, बिक्री जारी रही है। इसके अलावा फेस-1 के विला खरीदने वालो 200 परिवारों को बिजली एल्डिगो अलग से कामर्शियल दरों पर बेंच रहा है।

इसी दौरान एक उच्चस्तरीय शिकायत के आधार पर 29 दिसंबर 2025 को केस्को की टीम ने अचानक रेड किया। इसमें केस्को के अवर अभियंता रामप्रसाद पाल, श्याम किशोर के साथ सहायक अभियंता रेड प्रथम प्रवीण कुमार, रेड द्वितीय प्रदीप कुमार सहित अन्य अधिकारियों एवं कर्मियों टीम पहुंची। करीब 3 घंटे 45 मिनट तक पूरे परिसर की जांच की गई। इसपर केस्को रतनपुर टीम ने एफआईआर भी दर्ज कराई। इसमें लिखा गया है कि 1600एकल बिंदु घरेलू स्वीकृत है। स्वीकृत घरेलू संयोजन से फेस-1 में एल्डिगो एवॉक टावर में 18978 वॉटस, फेस 2 में 400 केवीए टीएफ लगाकर 38380 वॉटस की बिजली चोरी की जा रही है। अब समझिए इतनी बडी बिजली चोरी पकडी गई लेकिन इसकी खबर किसी मीडिया हाउस को नहीं मिली। मामले को हल्का करने का प्रयास किया जाना लगा। अब कितनी पेनाल्टी लगी है और क्या कार्रवाई हुई यह भी दबा कर रखा गया है।

जब इस मामले में केस्को के जनसपंर्क अधिकारी देवेंद्र कुमार वर्मा से जानकारी लेने का प्रयास किया गया तो उन्होने भी स्पष्ट कुछ नहीं बताया। ऐसा प्रतीत हुआ है कि उनको मालूम तो सब है लेकिन बताना नहीं चाहते हैं।

फेस-1 में एल्डिको एवॉक में 18978 वॉट और फेस-2 में 400 केवीए 38380 वॉट की बिजली चोरी पकडी गई थी

बिजली कनेक्शन के तैयार किए गए प्रोजेक्ट

- प्रोजेक्ट आईडी एल्डिगो एकेड यूपीरेरा नंबर यूपीरेरापीआरजे17705, कामर्शियल शॉप, केडीए परमिट 993-भवन-15-16 तिथि 8-03-2016
- प्रोजेक्ट आईडी एल्डिगो बसेरा ईडब्ल्यूएस यूपीरेरा नंबर यूपीरेरापीआरजे206209, परमिट नंबर 01-भवन-1415 तिथि 21-11-2015
- प्रोजेक्ट आईडी एल्डिगो एवॉक ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्ट, यूपीरेरा नंबर यूपीरेरापीआरजे225776, केडीए परमिट नंबर हाउसिंग-02936-केडीए-बीपी-20,21-1214-01062022 तिथि 23-07-2022
- प्रोजेक्ट आईडी एल्डिगो काउंटी फेस-2 यूपीरेरा नंबर यूपीरेरापीआरजे3677 ऑन गोइंग है। परमिट नंबर 01-भवन-14-15 स्वीकृत तिथि 19-11-2015

सांसद रमेश अवस्थी ने संसद में मांगी नई ट्रेनें

प्रमुख शहरों से बेहतर कनेक्टिविटी की संसद में उठाई मांग

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली, कानपुर। लोकसभा में रेलवे बजट पर चर्चा के दौरान कानपुर सांसद रमेश अवस्थी ने कानपुर लोकसभा क्षेत्र की जनता की प्रमुख आवश्यकताओं को मजबूती से सदन के समक्ष रखा। उन्होंने देश के विभिन्न बड़े शहरों के लिए कानपुर से नई ट्रेन सेवाओं की मांग की ताकि क्षेत्रवासियों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिल सके और स्थानीय विकास को नई गति मिले।

सांसद ने कहा कि कानपुर जैसे महत्वपूर्ण औद्योगिक और व्यापारिक केंद्र के लोगों को बेहतर रेल कनेक्टिविटी की बहुत जरूरत है। नई ट्रेनों से यात्रियों की सुविधा बढ़ेगी और साथ ही क्षेत्र की आर्थिक प्रगति तथा रोजगार के अवसरों में भी वृद्धि होगी। उन्होंने रेल मंत्रालय से इन मांगों पर शीघ्र विचार करने की अपील की।

रमेश अवस्थी ने आगे कहा, ÷मैं कानपुर लोकसभा क्षेत्र के जनहित के मुद्दों को सदैव मजबूती से सदन में उठाता रहूंगा। क्षेत्र के विकास और लोगों की सुविधा के लिए निरंतर प्रयासरत हूं।

यह मांग कानपुर-दिल्ली जैसे व्यस्त मार्गों पर पहले से मौजूद भीड़ और यात्रियों की असुविधा को देखते हुए की गई है। क्षेत्रवासियों को उम्मीद है कि बजट चर्चा के बाद इन प्रस्तावों पर सकारात्मक फैसला आएगा, जिससे कानपुर की कनेक्टिविटी में सुधार होगा।

रंग बरसे में आज बिरज में होली रे सखियां

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। जयतु जगदीश महिला मण्डल ने ज्ञान भारती बालिका इण्टर कालेज (बिरहाना रोड) मे होली मिलनसमारोह रंग बरसे का आयोजन किया। समारोह की शुरूआत सरस्वती पूजन के साथ की गई। मण्डल की कार्यकारिणी सदस्याओं ने आज बिरज में होली रे सखियां पर और बच्चों ने कपल डांस की प्रस्तुति दी। मण्डल के बच्चों ने राधा- कृष्ण की झांकी प्रस्तुत की। नृत्य नाटिका में होली खेल रहे बांके बिहारी बरसाने की छोरी होली भजनों के गानों पर मनमोहक डांस किया एवं उपस्थित सभी लोगों के साथ अबीर व गुलाल लगाकर मस्ती भरी ब्रज की होली खेली। भगवान की आरती के साथ कार्यक्रम का समापन किया मण्डल अध्यक्षा हेमा ओमर व महामंत्री रीता गुप्ता ने महिला मण्डल की संरक्षिका गीता गुप्ता व शशि गुप्ता का अबीर व गुलाल लगाकर स्वागत किया। अर्चना गुप्ता, अंजू ओमर व शालिनी गुप्ता ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। मीनाक्षी सक्सेना, लक्ष्मी गुप्ता, राही, रीतु व साक्षी समेत कई महिलाएं रहीं मण्डल के संरक्षक श्री जयतु जगदीश मण्डल सेवा समिति के संस्थापक व अध्यक्ष सत्य नारायण गुप्ता,वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रेम सागर गुप्ता व उपाध्यक्ष प्रमोद कुमार गुप्ता ने आये सभी अतिथियों का पटकापहनाकर स्वागत एवं सत्कार किया। विधायक अमिताभ बाजपेई, डॉ. श्याम बाबू गुप्ता, डॉ. योगेश सक्सेना,डॉ. एम.सी. गुप्ता, पार्षद विकास जायसवाल, हरी श्याम गुप्ता, जयनारायण गुप्ता व मयंक सक्सेना आदि मौजूद रहे।

अरमापुर एसएफ ग्राउंड पर भूमि पूजन का विरोध

कोर्ट में मामला लंबित होने पर भड़के खिलाड़ी व यूनियन

» अधिकारियों को घेरा, आश्वासन के बाद टला कार्यक्रम

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। अरमापुर स्थित एसएफ ग्राउंड पर ए डब्ल्यू ई आई एल (एडवांस वेपन इंडस्ट्रियल एस्टेब्लिशमेंट लिमिटेड) द्वारा प्रस्तावित भूमि पूजन कार्यक्रम का स्थानीय नागरिकों, खिलाड़ियों और तीनों फैक्ट्रियों के यूनियन नेताओं ने जोरदार विरोध किया। विरोध कर रहे लोगों का कहना था कि इस जमीन से जुड़ा मामला न्यायालय में विचाराधीन है, ऐसे में किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य या भूमि पूजन करना नियमों के विरुद्ध है।प्रदर्शनकारियों ने मौके पर मौजूद एडब्ल्यूईआईएल के अधिकारियों सीजीएम ओएफसी आलोक कुमार सिंह और डीजीएम एचआर प्रवीण शुक्ला को घेरते हुए आपत्ति दर्ज कराई। यूनियन नेताओं ने बताया कि न्यायालय में कंपनी के वकील द्वारा लिखित रूप से यह आश्वासन दिया गया है कि मामले के निस्तारण तक कोई निर्माण कार्य नहीं किया जाएगा। इसके बावजूद भूमि पूजन का कार्यक्रम आयोजित किया जाना न्यायालय की अवमानना के समान है।विरोध बढ़ता देख अधिकारियों ने स्थिति को संभालते हुए आश्वासन दिया कि जब तक कोर्ट का अंतिम निर्णय नहीं आ जाता, तब तक किसी प्रकार का निर्माण कार्य नहीं किया जाएगा। इसके बाद मामला शांत हुआ और कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया। इस दौरान छबि लाल यादव, पुष्पेंद्र जायसवाल, एसके सचान, निर्भय सिंह, राजीव सिंह, प्रेम नारायण, विनोद तिवारी, अरुण पांडे, संतोष यादव, आवेश कौशिक, रामचंद्र वर्मा, ओमवीर चौहान, राकेश यादव, प्रभुनाथ, बालवीर, शंकर, अभिषेक सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

ईमानदारी की मिसाल: PRV जवानों ने लौटाया अधिवक्ता का खोया बैग

» गश्त के दौरान मिला बैग, डायरी से नंबर निकालकर किया संपर्क—सभी दस्तावेज सुरक्षित लौटाए

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। उत्तर प्रदेश पुलिस की तत्परता और ईमानदारी एक बार फिर सामने आई है। सोमवार देर रात कचहरी से श्याम नगर स्थित अपने घर लौट रहे अधिवक्ता रतन कुमार त्रिवेदी का बैग रास्ते में कहीं गिर गया। बैग में महत्वपूर्ण दस्तावेज होने के कारण वे काफी चिंतित हो गए।इसी बीच क्षेत्र में गश्त कर रही यूपी पुलिस की पीआरवी (संख्या 8747) को यह बैग मिला। ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी अनूप और महेश गुप्ता ने तुरंत बैग को सुरक्षित अपने कब्जे में लिया और उसकी जांच की। बैग में रखी डायरी से एक मोबाइल नंबर प्राप्त हुआ, जिस पर संपर्क करने पर पता चला कि बैग अधिवक्ता रतन कुमार त्रिवेदी का है।सूचना मिलते ही अधिवक्ता मौके पर पहुंचे, जहां पुलिसकर्मियों ने उनका बैग सुरक्षित उन्हें सौंप दिया। बैग में रखे सभी जरूरी दस्तावेज सही-सलामत पाए गए। अधिवक्ता रतन कुमार त्रिवेदी ने यूपी पुलिस की इस ईमानदारी और संवेदनशीलता की सराहना करते हुए पुलिसकर्मियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यों से आम जनता का पुलिस पर भरोसा और मजबूत होता है।

यूपी पुलिस की ईमानदारी के चर्चित मामले

- » 2026 (कानपुर)–PRV जवानों ने अधिवक्ता का दस्तावेजों से भरा बैग खोजकर सुरक्षित लौटाया।
- » 2025 (लखनऊ)–ऑटो में छूटा लाखों रुपये से भरा बैग पुलिस ने ट्रेस कर मालिक को सौंपा।
- » 2024 (नोएडा)– पीआरवी टीम ने सड़क पर मिला लैपटॉप व जरूरी कागजात कारोबारी को लौटाए।
- » 2023 (वाराणसी)– पर्यटक का खोया पर्स (विदेशी मुद्रा सहित) पुलिस ने खोजकर वापस किया।
- » 2022 (आगरा)– शादी समारोह में खोए जेवरात पुलिस ने बरामद कर परिवार को सौंपे।

कांग्रेस के रोज़ा इफ़्तार में पहुंचे अजय राय

» ग्रामीण कांग्रेस के कार्यक्रम में पहुंच अल्पसंख्यकों को साधा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। जिला कांग्रेस कमेटी कानपुर नगर ग्रामीण के रोज़ा इफ़्तार कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने शिरकत की और जिलाध्यक्ष संदीप शुक्ला द्वारा किए गए आयोजन में हजारों रोजेदारों के साथ बैठकर रोज़ा इफ़्तार में भाग लिया। अर्से बाद तिलक हाल के बाहर रोज़ा इफ़्तार का आयोजन करके ताकत दिखाई। यह आयोजन जाजमऊ के दादा मियां दरगाह में किया गया। गौरतलब है कि रोज़ा इफ़्तार का आयोजन इधर कई वर्ष से कांग्रेस मुख्यालय तिलक हाल में महज़ औपचारिकता के लिए किया जाता रहा है जबकि कई साल पहले पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल और पूर्व विधायक अजय कपूर रोज़ा इफ़्तार के बड़े आयोजन करके एक दूसरे को ताकत दिखाते रहे हैं और दोनों की इस प्रतिस्पर्धा में कई शीर्ष नेता भी आते थे। एक अर्से बाद जिला कांग्रेस कमेटी कानपुर नगर ग्रामीण के जिलाध्यक्ष संदीप शुक्ला ने रोज़ा इफ़्तार तिलक हाल से बाहर निकल कर जाजमऊ में दादा मियां की दरगाह पर ईदगाह मैदान में रखा जिसमें अजय राय के साथ प्रदेश और शहर के तमाम वरिष्ठ कांग्रेस नेता के साथ स्थानीय लोग शामिल हुए।कांग्रेस जिलाध्यक्ष संदीप शुक्ला ने बताया कि रोज़ा इफ़्तार में हज़ारों रोजदारों के रोज़ा खोलकर देश के अमन चैन के लिए दुआ की।कांग्रेस में अब नए सिपहसालारों ने मैदान सम्हाल लिया है और भविष्य में कांग्रेस की राजनीति इन्हीं के इर्द गिर्द केन्द्रित रहेगी।पूर्व विधायक सोहैल अंसारी, उमेश दीक्षित, प्रदेश वार रूम इंचार्ज संजय दीक्षित,आनंद मेहरोत्रा,शक्ति पांडे,अविनाश सलूजा, आकर्षण तिवारी, इमैनुएल सिंह,आफताब हसन,पार्षद नूरन अहमद टारजन, पूर्व पार्षद अबरार अहमद, पार्षद फ़खर इकबाल, सतीश दीक्षित, रमणीक चतुर्वेदी,फरमान, सलीम, कलीम, ख़ुलाक अहमद डेविड, एजाज रशीद, अर्शालन, पूजा भारद्वाज, दिलीप सिंह मुन्ना, पार्षद अमीन खान, कुनकुन खान, शिब्बू अंसारी, पूर्व पार्षद इरफान, अमीन बाबा, अहसान खान, आमोद त्रिपाठी, मदन मोहन शुक्ला, संजीव दरियावादी, अंकित कन्नौजिया, संदीप मिश्रा, विवेक दीक्षित,करिश्मा ठाकुर, तबरेज मिर्जा, राजू कश्यप,तुफैल अहमद, नरेंद्र चंचल, राजीव द्विवेदी मोहित दीक्षित, ध्रुव अग्निहोत्री, नफीस, अबू खान, अनुभव बाजपेई, जीशान आदि रहे।

सम्पादकीय

पंजाब के प्राकृतिक सुरक्षा कवच पर चोट

सत्ताधीशों की इच्छा शक्ति की कमी और प्रवर्तन एजेंसियों की लापरवाही से खनन माफिया के हौसल बुलंद हैं। कहीं न कहीं नागरिकों की उदासीनता भी इसके मूल में हैं। पंजाब के रोपड़ जिले की शिवालिक पहाड़ियों में हो रही तबाही उस भयावह स्थिति को दर्शाती है, जिसका खमियाजा आने वाली पीढ़ियों को भी भुगतना पड़ेगा। वजह साफ है कि अंधाधुंध खनन से शिवालिक पहाड़ियों के पारिस्थितिकीय तंत्र को भारी क्षति पहुंच रही है। जो हमें यह भी बताता है कि नीति और प्रवर्तन के बीच खाई में पर्यावरणीय अपराध कैसे और किस तेजी से पनपते हैं। प्रशासन की नाक के नीचे खुदाई करने वाली भारी मशीनों का खुलेआम प्रयोग अवैध खनन हेतु किया जा रहा है। इस पारिस्थितिक रूप से नाजुक क्षेत्र की पूरी पहाड़ियों को समतल किया जा रहा है। जो हमारे पर्यावरण के लिये एक गंभीर चुनौती है।

यह क्षति शिवालिक पहाड़ियों के मूल पारिस्थितिक कार्यों मसलन भूजल पुनर्भरण, मृदा-स्थिरता और जैव-विविधता संरक्षण जैसे जीवन रक्षक लक्ष्यों को गंभीर रूप से प्रभावित करती है। दरअसल, यह शिवालिक पर्वतमाला भू-संरचना की दृष्टि से नयी बनी हुई है और स्वाभाविक रूप से अस्थिर है। निर्विवाद रूप से किसी भी स्थान पर होने वाली अनियंत्रित खुदाई से भूमि का कटाव बहुत तेजी से होता है। जिसके चलते वर्षा ऋतु और उसके बाद भूस्खलन की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ती है। वहीं इन क्षेत्रों में गाद जमाव का संकट भी गहरा जाता है। कालांतर इसके चलते जल निकासी के पैटर्न में अप्रत्याशित बदलाव देखने में आता है। यह सर्वविदित है कि एक बार इन पहाड़ियों को अवैध रूप से काटकर समतल कर दिया जाता है तो उसके मूल स्वरूप को फिर प्राप्त कर पाना लगभग असंभव है। दूसरे शब्दों में कहें उस क्षेत्र विशेष का प्राकृतिक संरक्षण कवच हमेशा के लिए नष्ट हो जाता है। ऐसे में प्राकृतिक सुरक्षा को नष्ट करने वाला विकास कालांतर आपदा का कारक बन सकता है।

दरअसल, यह ऐसा प्राकृतिक सुरक्षा तंत्र होता है जो निचले मैदानी इलाकों को बाढ़ और जल संकट से बचाता है। यह विडंबना ही कही जाएगी कि इस बाबत जवाबदेह अधिकारियों द्वारा दलील दी जाती रही है कि इस क्षेत्र में खनन की प्रक्रिया पर्यावरण संबंधी स्वीकृतियों के आधार पर की जाती रही है। साथ ही यह भी सफाई दी जाती है कि ऐसी स्वीकृतियों का उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना लगाया जाता है। लेकिन हकीकत तब उजागर हो जाती है जब स्थानीय लोग रात के समय होने वाले खनन कार्यों, निर्धारित सीमा से अधिक और बड़े पैमाने पर पहाड़ी इलाकों में कटाई होने के आरोप लगाते हैं। ऐसे में अधिकारियों की तमाम दलीलें खोखली ही साबित होती हैं। दरअसल,सवाल नियम-कानूनों की प्रभावकारिता का नहीं है बल्कि असली दिक्कत प्रवर्तन एजेंसियों की उदासीनता की है। जो वस्तु-स्थिति से अवगत होने के बावजूद इन आपराधिक कृत्यों के प्रति आंखें मूंदे रहती हैं। दरअसल, खनन कार्यों से जुड़े ठेकेदारों को आपराधिक तत्वों व राजनेताओं का संरक्षण भी एक बड़ी चुनौती है।

इसमें दो राय नहीं है कि जब अवैध खनन के खिलाफ जमीनी स्तर पर निगरानी के बजाय महज कागजी कार्रवाई का सहारा लिया जाता है तो अवैध खनन को संबल मिलता है।

ऐसा भी नहीं है कि यह अवैध खनन केवल पंजाब की शिवालिक पहाड़ियों के आसपास ही हो रहा है। पूरे भारत में, पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील तमाम क्षेत्रों में अवैध खनन लगातार पर्यावरण से जुड़े कानूनों की सीमाओं का उल्लंघन करता नजर आता है।

अकसर खनन के लिये दिए गए परमिटों में अस्पष्टता और स्थानीय स्तर पर कमजोर निगरानी का फायदा उठाया जाता है। वह भी तब जब सर्वोच्च न्यायालय और राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण के फैसलों में बार-बार इस बात पर जोर दिया जाता रहा है कि आर्थिक गतिविधियां पारिस्थितिकीय नुकसान की कीमत पर नहीं चलायी जा सकती।

फिर भी, जमीनी स्तर पर, प्रवर्तन एजेंसियां या तो शक्तिहीन दिखाई देती हैं या निर्णायक कार्रवाई करने की इच्छाशक्ति उनमें नजर नहीं आती। वास्तव में अवैध खनन पर सिर्फ जुर्माना लगाने के बजाय प्रतिबंधित क्षेत्रों का सख्त सीमांकन, प्रौद्योगिकी आधारित निगरानी तथा अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित करने की जरूरत है।

आसान नहीं भाजपा की पंजाब में वर्चस्व की राह

यशवंत सचदेव

पंजाब के दौरों के दौरान, मोदी-शाह की जोड़ी ने न तो पंजाब के मूल मुद्दों को छुआ और न ही राज्य को मौजूदा मुश्किल हालात से निकालने के लिए कोई सोची-समझी योजना पेश की। क्या भाजपा के पास पंजाब को...पंजाब के दौरों के दौरान, मोदी-शाह की जोड़ी ने न तो पंजाब के मूल मुद्दों को छुआ और न ही राज्य को मौजूदा मुश्किल हालात से निकालने के लिए कोई सोची-समझी योजना पेश की। क्या भाजपा के पास पंजाब को उस 'आर्थिक संकट' से बचाने का वह दृष्टिकोण है, जिसकी कमी के लिए अतीत की सत्ताधारी पार्टियां कुख्यात रही हैं?गत चौदह मार्च को मोगा में अपनी बहुप्रचारित रैली की शुरुआत करते हुए अमित शाह को पगड़ी पहने और सिखों का लोकप्रिय जयघोष करते देखना एक दिलचस्प नज़ारा था।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अक्सर सिख सभाओं में पगड़ी पहनकर आते हैं। जो कोई भी भाजपा नेताओं को सिखों को लुभाने के वास्ते ऐसे हास्यास्पद सुझाव देता है, उसे पंजाब से जुड़े किसी भी राजनीतिक मामले पर सलाह देने से स्थाई तौर पर रोक देना चाहिए।यह कोई राज़ नहीं है कि भाजपा में फ़ैसले शीर्ष स्तर पर लिए जाते हैं। यहां तक कि मीडिया को इंटरव्यू देने के लिए भी केंद्रीय नेतृत्व की मंजूरी ज़रूरी रहती है। जाहिर है, आने वाले विधानसभा चुनावों में चुनाव अकेले लड़ने के पार्टी के फ़ैसले का ऐलान करने से पहले अमित शाह ने सुनील जाखड़ और कैप्टन अमरिंदर सिंह जैसे स्थानीय पार्टी नेताओं से कोई सलाह-मशविरा नहीं किया था। जबकि कांग्रेस के ये दोनों पूर्व दिग्गज नेता सार्वजनिक तौर पर शिरोमणि अकाली दल के साथ चुनावी गठबंधन करने की वकालत कर रहे थे। यह रवनीत सिंह बिट्टू ही थे जिन्होंने ऐसे किसी भी गठबंधन का ज़ोरदार विरोध किया है; ऐसे में अगर कल को उन्हें मुख्यमंत्री पद का चेहरा बना दिया जाए, तो कोई हैरत नहीं।स्थानीय लोगों के साथ सार्थक संवाद के अभाव में, गृह मंत्री ने अपने भाषण में पसंदीदा अलगाव के मुद्दों में से एक का सहारा लिया–धर्मांतरण। भाजपा जिस 'बदलाव' का वादा कर रही है, यदि उसमें धर्मांतरण-विरोधी क़ानून भी शामिल है, तो चुनावी लिहाज़ से उसे कोई ख़ास सफलता नहीं मिलेगी। धर्मांतरण कोई ऐसा मुद्दा नहीं है, जो आम पंजाबियों को परेशान कर रहा हो। मामूली आर्थिक फ़ायदों के लिए ईसाई धर्म अपनाने वाले ग़रीब लोगों से समाज या राज्य को कोई ख़तरा नहीं है। सबको अपने साथ लेकर चलने वाला पंजाब, धार्मिक आधार पर समाज में अलगाव से चुनाव जीतने के भाजपा के एजेंडे को आसानी से स्वीकार नहीं करेगा।आम तौर पर पंजाबी लोग अहंकारी नेताओं को सत्ता से बाहर करने के लिए वोट देते हैं। उनकी कोई पसंदीदा पार्टी शायद ही कभी रही है। पिछले चुनावों में आम आदमी पार्टी को मिली ज़बरदस्त जीत का श्रेय 'आप' के नेतृत्व से किसी बड़ी उम्मीद के बजाय, कांग्रेस, शिरोमणि अकाली दल और भाजपा के कुशासन के लिए उन्हें दी गई सज़ा को ज़्यादा जाता है। हो सकता है कि अब वे 'आप' से भी मोहभंग महसूस कर रहे हों, लेकिन वे इतने नाराज़ भी नहीं हैं कि उसे सत्ता से ही बेदख़ल कर दें।सिख राजनीतिक विचारक और लेखक, अजमेर सिंह के अनुसार 'भाजपा ने हरियाणा में जाटों को अलग-थलग करके और गैर-जाटों को एकजुट करके चुनाव जीता था। पंजाब में भी वह यही रणनीति अपना सकती है–सिख जाट वोटों को बांटना और हिंदू, अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग वोटों को एकजुट करना'। डेरा सचखंड बल्लां के प्रमुख को पद्मश्री से सम्मानित करना और उसके बाद दलित बहुल इलाके में गुरु रविदास को श्रद्धांजलि देने के लिए पीएम मोदी का डेरा दौरा, ज़ाहिर तौर पर इसी रणनीति का हिस्सा हैं।पंजाब के कुल वोटों में दलितों की हिस्सेदारी 32 प्रतिशत है और जालंधर, कपूरथला, नवांशहर और होशियारपुर–इन चार ज़िलों की 117 विधानसभा सीटों में से 23 सीटों के नतीजों में वे निर्णायक भूमिका निभाते हैं। भाजपा इसी समुदाय पर दांव लगा रही है। भाजपा की इस चुनावी रणनीति को एक और चीज़ से भी मदद मिल रही है–दोषी डेरा प्रमुख राम रहीम की बार-बार पैरोल पर रिहाई। पंजाब के मालवा इलाके के कुछ हिस्सों में राम रहीम के बहुत सारे अनुयायी हैं और फिलहाल उसका पसंदीदा दल भाजपा है। ब्यास स्थित राधा स्वामी डेरा आमतौर पर राजनीतिक रूप से तटस्थ रहता है।भाजपा की दलितों तक पहुंच बनाने की कोशिश भी शायद ही कामयाब हो जाए, क्योंकि पंजाब में अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के वोटर बंटे हुए हैं और अलग-अलग राजनीतिक पार्टियों का समर्थन करते हैं। यही वजह है कि बहुजन समाज पार्टी पंजाब में ज़्यादा कामयाबी हासिल नहीं कर पाई। और इसीलिए भाजपा के लिए हरियाणा वाली सफलता को पंजाब में दोहराना मुश्किल होगा। यहां पर हालात पूरी तरह से उसके अनुकूल नहीं हैं। सिख आमतौर पर भाजपा से दूरी बनाकर रखते हैं।

नाराज ब्राह्मण बदल सकते हैं सियासी पाला !

अजय कुमार/ वरिष्ठ पत्रकार

लेखक

उत्तर प्रदेश की सियासत में चुनावी रंग लगातार चटक होता जा रहा है। वोटरों को लुभाने के लिए सभी हथकंडे अपनाये और हर छोटी-बड़ी घटना, हर बयान और हर फैसला अब चुनावी नजरिये से देखा जा रहा है कि इससे वोट बैंक पर कितना असर पड़ेगा। फिलहाल यादव बिरादरी और मुसलमान काफी हद तक समाजवादी पार्टी के साथ नज़र आ रहे हैं, लेकिन यूपी में ओवैसी की एंट्री से सपा को नुकसान भी हो सकता है।

ठीक इसी तरह ब्राह्मण समुदाय जो हमेशा से भाजपा का मजबूत वोट बैंक रहा है, उसमें योगी सरकार के प्रति आक्रोश उबल रहा है. जिसमें हाल ही में एसआई की परीक्षा में ब्राह्मणों को लेकर एक विवादित सवाल ने ब्राह्मणों की नाराजगी को और बढ़ाने में आग में घी डालने का काम किया है.अब यह सवाल सिर्फ एक परीक्षा तक सीमित नहीं रह गया है बल्कि इसने योगी सरकार के प्रति ब्राह्मणों के गुस्सा को और भी बढ़ा दिया है । राज्य पुलिस भर्ती की दरोगा परीक्षा में पूछा गया वह सवाल अब पूरे समाज की भावनाओं को चोट पहुंचाने का प्रतीक बन गया है। सवाल था अवसर के अनुसार बदल जाने वाले व्यक्ति को क्या कहा जाता है और उसके विकल्पों में पंडित शब्द को शामिल कर दिया गया। एक सामान्य परीक्षा का सवाल जिसका मकसद सिर्फ ज्ञान जांचना था वह अब जाति विशेष को अवसरवादी बताने का हथियार बन गया। डिप्टी मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने तुरंत इसकी निंदा की। उन्होंने साफ कहा कि किसी भी सवाल से किसी समाज की गरिमा को ठेस पहुंचाना बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है। सरकार ने मामले को गंभीरता से लिया है और कहा भविष्य में ऐसी गलती दोबारा नहीं होगी। इसके दोस्तों को पकड़ने के लिए जांच कमेटी भी बना दी गई है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी सभी भर्ती बोर्डों को सख्त निर्देश जारी कर दिए हैं कि किसी भी जाति पंथ या संप्रदाय की मर्यादा का ध्यान रखा जाए। अमर्यादित टिप्पणी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और बार-बार गलती करने वालों पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। लेकिन सवाल उठता है कि क्या यह सिर्फ क्षमा याचना और निर्देशों से काम चल जाएगा। क्योंकि ब्राह्मण समाज की नाराजगी अब एक-दो घटनाओं तक नहीं रही। यह एक सिलसिला बन चुका है जो पिछले कई महीनों से लगातार जारी है।

दिसंबर 2025 में विधानसभा सत्र के दौरान जब भाजपा के कुछ ब्राह्मण विधायकों ने लखनऊ में बैठक की तो प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने तुरंत सख्त चेतावनी दे दी। कहा गया कि जाति आधारित बैठक राजनीति पार्टी को मंजूर नहीं। लेकिन ठीक उसी साल अगस्त में ठाकुर विधायकों की बैठक हुई जिसमें चालीस से ज्यादा नेता शामिल थे। वह बैठक पांच सितारा होटल में हुई और उसे कुटुंब परिवार का नाम दिया गया। लोध और कुर्मी विधायकों की बैठक भी हुई लेकिन उन पर कोई नोटिस नहीं दिया गया। कोई चेतावनी नहीं मिली। सपा और कांग्रेस ने इस दोहरे मानदंड पर तीखे सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि भाजपा में ब्राह्मण विधायक एक जगह जुट भी नहीं सकते और न ही अपनी बात रख सकते हैं। यह ब्राह्मण पॉलिटिक्स पर सवाल था जो आज भी गूंज रहा है।फिर आया माघ मेला का विवाद। प्रयागराज में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पालकी पर सवार होकर स्नान के लिए जा रहे थे। पुलिस ने कानून व्यवस्था का हवाला देकर रोका। धक्का-मुक्की हुई। शंकराचार्य के समर्थक बटुक ब्राह्मणों की चोटियां खींचने के आरोप पुलिस पर लगे। मामला इतना बढ़ा कि शंकराचार्य धरने पर बैठ गए और बिना स्नान किए लौट गए। सपा और कांग्रेस ने इसे राजनीतिक मुद्दा बना दिया। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक को ब्राह्मणों की नाराजगी दूर करने के लिए मैदान में उतरना पड़ा। बृजेश पाठक ने अपने सरकारी आवास पर सौ बटुकों को सम्मानित किया लेकिन क्या यह कदम पर्याप्त था। समाज अभी भी कह रहा है कि प्रशासन ने शंकराचार्य के साथ जो रवैया अपनाया वह अपमानजनक था।फिर आई फिल्म घूसखोर पंडित। नेटफ्लिक्स पर मनोज बाजपेयी अभिनीत इस फिल्म का टीजर फरवरी 2026 में जारी हुआ। पुलिस अधिकारी को पंडित कहकर संबोधित किया गया। ब्राह्मण संगठनों ने देशभर में विरोध प्रदर्शन किए। यूपी में पोस्टर जलाए गए। सड़कों पर प्रदर्शन हुए। मामले ने सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। अदालत ने फिल्म रिलीज से पहले नाम बदलने का आदेश दिया और सीबीएफसी को नोटिस जारी किया। निर्माता नीरज पांडे को शीर्षक बदलना पड़ा। ब्राह्मण समाज ने इसे साजिश बताया कि जानबूझकर एक समुदाय को भ्रष्ट और घूसखोर करार दिया जा रहा है। फिल्म का नया नाम अभी तक तय नहीं हुआ लेकिन समाज के दिल में जो चोट लगी वह अभी भी ताजी है।यूजीसी के नए नियमों ने भी सवर्ण समाज खासकर ब्राह्मणों को नाराज किया। दलित और ओबीसी छात्रों के साथ भेदभाव रोकने के नाम पर बनाए गए नियमों को ब्राह्मणों ने अपने खिलाफ देखा। बरेली के सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने इस्तीफा दे दिया। उन्होंने माघ मेले में शंकराचार्य शिष्यों के साथ दुर्व्यवहार और यूजीसी नियमों को वजह बताया। सुप्रीम कोर्ट को हस्तक्षेप करना पड़ा। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच ने यूजीसी एक्ट 2026 पर रोक लगा दी। अदालत ने कहा कि नियम सामान्य वर्ग को टारगेट कर रहे हैं और सामाजिक बंटवारा बढ़ा सकते हैं। केंद्र को नए नियम बनाने के लिए कहा गया। लेकिन इस दौरान ब्राह्मण सड़कों पर उतरे सोशल मीडिया पर विरोध हुआ। ये सारी घटनाएं एक के बाद एक आईं और हर बार सरकार को सफाई देनी पड़ी। हर बार डैमेज कंट्रोल करना पड़ा। लेकिन ब्राह्मण समाज पूछ रहा है कि क्यों बार-बार उसकी भावनाओं की अनदेखी हो रही है। उत्तर प्रदेश में ब्राह्मण वोटरों की संख्या दस प्रतिशत से ज्यादा है। 2017 के बाद से भाजपा को इनका 85 से 90 प्रतिशत वोट मिलता रहा है। यह परंपरागत वोट बैंक है जो पार्टी की रीढ़ रहा है। लेकिन 2017 के बाद ब्राह्मणों की शिकायत लगातार बढ़ी है। उचित सम्मान नहीं मिल रहा। उनकी बात नहीं सुनी जा रही। कुशीनगर के विधायक पीएन पाठक ने ब्राह्मण विधायकों की बैठक में कर्तव्य और अन्याय के खिलाफ खड़े होने की बात कही थी।

ओटीपी संकट से थमी गैस आपूर्ति चौबेपुर में खाली हाथ लौटे उपभोक्ता

ई-केवाईसी न होने से बढ़ी परेशानी, एजेंसी पर दिनभर लगी रही भीड़

चौबेपुर में ई-केवाईसी के लिए प्रपत्र जमा करते उपभोक्ताओं की उमड़ी भीड़।

बिल्हौर में गैस सिलिंडर लेने के सुबह से लगी लंबी कतार में खड़े उपभोक्ता।

स्वराज इंडिया न्यूज

चौबेपुर/बिल्हौर(कानपुर)। कस्बे में रसोई गैस की किल्लत ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। ऑनलाइन बुकिंग के दौरान ओटीपी न मिलने की समस्या के चलते गैस सिलिंडर की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। हालात यह रहे कि मंगलवार को कई उपभोक्ता सुबह से एजेंसी के बाहर डटे रहे, लेकिन घंटों इंतजार के बाद भी उन्हें सिलिंडर नहीं मिल सका।

ग्रामीण इलाकों में होम डिलीवरी भी बाधित हो गई है, जिससे लोगों को एजेंसी तक आना पड़ रहा है। इसके बावजूद आपूर्ति सुचारू न होने से लंबी कतारें लग रही हैं और कई लोगों को निराश होकर लौटना पड़ रहा है। एजेंसी प्रबंधन के मुताबिक, ओटीपी आधारित बुकिंग प्रणाली में तकनीकी दिक्कत आने से बुकिंग नहीं हो पा रही है।

इसका सीधा असर डिस्पैच प्रक्रिया पर पड़ रहा है, जिससे रिफिलिंग प्लांट से सिलिंडर की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। वहीं, उज्ज्वला योजना के कई लाभार्थियों द्वारा अब तक ई-केवाईसी न कराए जाने के कारण भी स्थिति और बिगड़ गई है। ऐसे उपभोक्ता अब एजेंसी पहुंचकर केवाईसी कराने के साथ गैस लेने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे वहां भीड़ बढ़ गई है।

ई-केवाईसी बन रही बड़ी बाधा

उज्ज्वला योजना से जुड़े उपभोक्ताओं के लिए ई-केवाईसी अनिवार्य कर दी गई है। बड़ी संख्या में लोगों द्वारा अब तक प्रक्रिया पूरी न करने के कारण एजेंसी पर दबाव बढ़ गया है। प्रबंधन ने उपभोक्ताओं से जल्द से जल्द ई-केवाईसी कराने की अपील की है, ताकि गैस आपूर्ति सामान्य हो सके।

सुबह 8 बजे से लाइन में लगे उपभोक्ता

बिल्हौर क्षेत्र में गैस सिलिंडर पाने के लिए उपभोक्ताओं को कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। हालात यह हैं कि लोग सुबह 8 बजे से ही एजेंसी के बाहर लाइन में लग जा रहे हैं, इसके बावजूद कई लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। लंबी कतारों और धीमी आपूर्ति के चलते उपभोक्ताओं में नाराजगी भी देखने को मिल रही है। लाइन में लगे उपभोक्ता आशीष मिश्रा ने बताया कि कई लोग सुबह से लाइन में खड़े हैं गैस सिलेंडर नहीं मिल रहा है।कल से नवरात्रि हैं और आगे ईद का भी त्यौहार है।

जामा मस्जिद में कुरान मुकम्मल अमन-चैन की दुआएं

स्वराज इंडिया ब्यूरो

शिवराजपुर/बिल्हौर(कानपुर)। जीटी रोड स्थित जामा मस्जिद में रमजान माह के दौरान कुरान पाक मुकम्मल होने का कार्यक्रम अकीदत और एहतराम के साथ मनाया गया। इस मौके पर देश में अमन-चैन, भाईचारे और तरक्की के लिए खास दुआएं की गईं।

मस्जिद कमेटी के सदर मोहम्मद नसीम की देखरेख में आयोजित महफिल में नातख्वानी का कार्यक्रम हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए। इबादत और रूहानियत के माहौल में लोग देर तक मग्न रहे। मुरादाबाद से आए हाफिज मोहम्मद अनस ने 27 दिनों तक तरावीह की नमाज पढ़ाकर कुरान पाक मुकम्मल कराया। उनकी सेवाओं की सराहना करते हुए लोगों ने आभार जताया।

महफिल में हाफिज व कारी मोहम्मद अकबर रहमानी ने तकरीर पेश करते हुए पैगंबर-ए-इस्लाम की सीरत पर रोशनी डाली। उन्होंने कहा कि इंसानियत, मोहब्बत और भाईचारे का संदेश अपनाकर समाज में एकता को मजबूत किया जा सकता है। कार्यक्रम के अंत में देश की खुशहाली, आपसी सौहार्द और नफरत को खत्म करने के लिए दुआएं मांगी गईं।

मस्जिद कमेटी व क्षेत्रीय लोगों ने मेहमानों का स्वागत किया। इस दौरान भोलू खान, मोहम्मद रियाज, हनीफ चिश्ती, नसीम आलम, शमीम फारूकी, जहीर फारूकी, निसार, दिलशाद, हाफिज सद्दाम, सलमान, तौसीफ फारूकी, फैजान खान, साहिल फारूकी, तनवीर, उस्मान मंसूरी, समीर, लइक फारूकी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

चौबेपुर में मंदिर से मूर्ति चोरी फुटेज के सहारे चोर की तलाश

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। तहसील के चौबेपुर थाना क्षेत्र के देवपालपुर गांव स्थित प्राचीन मनकामेश्वर महादेव मंदिर में दिनदहाड़े संदिग्ध चोरी की घटना से ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। साइकिल से आए एक युवक ने श्रद्धालु बनकर मंदिर में प्रवेश किया और मौका पाकर पूजा स्थल से एक पूजनीय वस्तु लेकर फरार हो गया। पूरी घटना मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

मंदिर के पुजारी के अनुसार, मंगलवार दोपहर करीब एक बजे एक युवक साइकिल से मंदिर पहुंचा। उसने बाहर साइकिल खड़ी की और सामान्य श्रद्धालु की तरह अंदर प्रवेश कर गया। कुछ देर तक वह मंदिर परिसर में घूमता रहा और आसपास की गतिविधियों पर नजर रखता रहा। इसी दौरान उसने मौका पाकर पूजास्थल से एक मूर्ति/वस्तु उठाई और तेजी से बाहर निकल गया। शाम को आरती के समय जब पुजारी गर्भगृह में पहुंचे तो एक पूजनीय वस्तु गायब मिली। इसके बाद सीसीटीवी फुटेज खंगाली गई, जिसमें युवक घटना को अंजाम देते साफ दिखाई दे रहा है। फुटेज में वह आराम से बाहर निकलता भी नजर आ रहा है।

घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मंदिर परिसर में जुट गए और नाराजगी जताई। लोगों ने आरोपी की जल्द गिरफ्तारी और मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है। मंदिर के संरक्षक ने बताया कि घटना की सूचना पुलिस को दे दी गई है और वह दिल्ली से चौबेपुर के लिए रवाना हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि थाने पहुंचकर लिखित तहरीर दी जाएगी।

सीसीटीवी में कैद आरोपी।

- श्रद्धालु बनकर आया था आरोपी, पुलिस तहरीर का कर रही इंतज़ार
- प्रारंभिक जांच के बाद इंस्पेक्टर बोले मूर्ति नहीं, शालिग्राम ले जाया गया

कई सवाल छोड़ गई घटना: मंदिर से पूजनीय वस्तु गायब होने की घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। सीसीटीवी फुटेज में युवक वस्तु ले जाता दिखाई दे रहा है, ऐसे में क्या इसे चोरी नहीं माना जाएगा? वहीं, दिनदहाड़े मंदिर परिसर में इस तरह की घटना होना सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठाता है। यदि यह शालिग्राम है और आस्था के नाम पर ले जाया गया,तो क्या यह वैध है? इसके अलावा, तहरीर का इंतजार कर रही पुलिस पर भी सवाल उठ रहे हैं कि क्या ऐसे मामलों में स्वतः संज्ञान लेकर कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए? इन तमाम सवालों के बीच अब सबकी निगाहें इस पर टिकी हैं कि पुलिस इस मामले में आगे क्या रुख अपनाती है और आरोपी तक कब पहुंचती है।

थानाध्यक्ष बोले, मूर्ति चोरी नहीं हुई

चौबेपुर थाना प्रभारी दुर्गेश मिश्रा ने मामले में अलग बयान दिया है। उनका कहना है कि मंदिर से कोई मूर्ति चोरी नहीं हुई है, बल्कि शालिग्राम (पत्थर स्वरूप पूजनीय वस्तु) ले जाया गया है। उन्होंने बताया कि कुछ लोग आस्था के चलते शालिग्राम अपने पास रख लेते हैं और ब्राह्मण इसे पूजा की शुरुआत के लिए रखते हैं। इंस्पेक्टर ने कहा कि मंदिर प्रबंधन से बातचीत हुई है। यदि लिखित तहरीर मिलती है तो नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि कुछ लोगों में ऐसी मान्यता है कि मंदिर से लाया गया शालिग्राम अधिक शुभ माना जाता है। फुटेज के आधार पर आरोपी की तलाश की जा रही है।

बिना स्वीकृत मानचित्र के हो रही प्लाटिंग पर केडीए सख्त, 7 बीघा में चला बुलडोजर

प्रवर्तन जोन-4 की टीम ने कल्याणपुर नरवल (अलकनंदा रोड) इलाके में की कार्यवाही

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। शहर में अनियोजित विकास और अवैध प्लाटिंग पर अंकुश लगाने के लिए कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) ने सख्त रुख अपनाते हुए बुधवार को बड़ी कार्रवाई की। उपाध्यक्ष के आदेशों और सचिव के निर्देशों के क्रम में प्रवर्तन जोन-4 की टीम ने कल्याणपुर नरवल (अलकनंदा रोड) क्षेत्र में अवैध रूप से विकसित की जा रही प्लाटिंग को ध्वस्त कर दिया।

प्राधिकरण द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, आराजी संख्या 205 सहित अन्य भूमि पर लगभग 7 बीघा क्षेत्र में बिना मानचित्र स्वीकृत कराए अनाधिकृत प्लाटिंग की जा रही थी।

यह निर्माण कार्य शहरी नियोजन मानकों के विपरीत पाया गया, जिसके चलते मौके पर पहुंची टीम ने बुलडोजर चलाकर पूरी प्लाटिंग को ध्वस्त कर दिया।

यह कार्रवाई प्रवर्तन जोन-4 के प्रभारी अधिकारी अतुल कुमार राय, अवर अभियंता अटल चतुर्वेदी, सुपरवाइजर तथा प्रवर्तन दल की मौजूदगी में संपन्न हुई। कार्रवाई के दौरान क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो, इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की गईं।

अनियोजित विकास पर कड़ा संदेश

केडीए की इस कार्रवाई को शहर में अनियोजित शहरीकरण पर रोक लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। बिना स्वीकृत लेआउट के विकसित हो रही कॉलोनियां भविष्य में जलनिकासी, सड़क, बिजली

और अन्य बुनियादी सुविधाओं के संकट को जन्म देती हैं, जिससे आम नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

आगे भी जारी रहेगा अभियान

प्राधिकरण के सचिव अभय पांडेय ने स्पष्ट किया है कि शहर में अवैध प्लाटिंग और निर्माण के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

साथ ही भू-स्वामियों और बिल्डरों को चेतावनी दी गई है कि बिना मानचित्र स्वीकृति के किसी भी प्रकार का निर्माण या प्लाटिंग न करें, अन्यथा सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इस कार्रवाई से जहां एक ओर अवैध कॉलोनियों पर लगाम लगेगी,

वहीं शहर के सुनियोजित और सतत विकास को भी मजबूती मिलेगी।

गैस सिलेंडर को लेकर रसूलाबाद एजेंसी में मारपीट

» कर्मी ने दी तहरीर, बिना बुकिंग सिलेंडर देने के दबाव में हुआ विवाद

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद कस्बे की इंडियन गैस एजेंसी में एलपीजी सिलेंडर को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि मामला मारपीट तक पहुंच गया। एजेंसी कर्मी ने कोतवाली में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की है।

दोपहर करीब 3 बजे एजेंसी पर तैनात कर्मचारी रंजन बाजपेयी निवासी गुटैया रूरा ड्यूटी पर थे। आरोप है कि इसी दौरान दशहरा गांव के मंगल सिंह अपने साथियों रामकिशोर व अन्य लोगों के साथ एजेंसी पहुंचे और बिना बुकिंग गैस सिलेंडर देने का दबाव बनाने लगे। कर्मी के अनुसार जब उसने शासन की गाइडलाइन का हवाला देते हुए बिना बुकिंग सिलेंडर देने से इनकार किया, तो विवाद बढ़ गया। आरोप है कि दबाव बना रहे लोगों ने गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी और जातिसूचक शब्दों का भी प्रयोग किया।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को कोतवाली बुलाया। पीड़ित कर्मचारी ने लिखित तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं, दूसरे पक्ष ने सभी आरोपों को निराधार बताते हुए कहा है कि उन्हें झूठा फंसाया जा रहा है।

संदिग्ध हालात में गोदाम में लगी आग कार समेत लाखों का सामान जला

» दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू, 10-12 लाख के नुकसान का अनुमान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मंगलपुर थानाक्षेत्र के झींझक कस्बे के वार्ड नंबर 11 सुभाष नगर निवासी पंकज शर्मा के गोदाम में मंगलवार देर रात संदिग्ध परिस्थितियों में आग लग गई। आग की चपेट में आकर गोदाम में रखा झांकी का सामान और एक वैगनआर कार जलकर राख हो गई।

बताया गया कि घटना रात करीब 11.30 बजे की है। उस समय परिवार के लोग खाना खाकर सोने की तैयारी कर रहे थे।

इसी दौरान घर के पास अब्दुल कलाम नगर स्थित गोदाम से धुआं और आग की लपटें उठती दिखीं। शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया।

सूचना पर झींझक चौकी पुलिस और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची। उपनिरीक्षक उजागिर लाल व पुलिस टीम ने स्थानीय लोगों की मदद से करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

पीड़ित पंकज शर्मा ने बताया कि वह जागरण व अन्य कार्यक्रमों में झांकी प्रस्तुत करने का काम करते हैं। आग में झांकी का पूरा सामान और कार जलने से करीब 10 से 12 लाख रुपये का नुकसान हुआ है।

उपनिरीक्षक उजागिर लाल ने बताया कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। वहीं घटना की सूचना डेरापुर उपजिलाधिकारी को भी दे दी गई है।

टीईटी अनिवार्यता के विरोध में शिक्षकों का डाकघर मार्च

» पोस्टकार्ड भेज जताया विरोध

» दोहरापुर में 'शिक्षक की पाती' अभियान के तहत प्रदर्शन, टेट मुक्ति मोर्चा को सफल बनाने की हुंकार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मलासा विकासखंड के मुंडेरा न्याय पंचायत स्थित दोहरापुर प्राथमिक विद्यालय में मंगलवार को अखिल भारतीय संयुक्त शिक्षक महासंघ के बैनर तले शिक्षकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक के बाद शिक्षकों और शिक्षामित्रों ने टीईटी अनिवार्यता के विरोध में 'शिक्षक की पाती' अभियान चलाते हुए जोरदार प्रदर्शन किया और डाकघर पहुंचकर पोस्टकार्ड के माध्यम से अपना विरोध दर्ज कराया।

शिक्षकों ने अपनी समस्याओं और मांगों से संबंधित पोस्टकार्ड राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष को प्रेषित किए। इस दौरान शिक्षकों ने कहा कि आरटीई (शिक्षा का अधिकार) लागू होने से पहले नियुक्त शिक्षकों पर टीईटी की अनिवार्यता थोपना पूरी तरह अन्यायपूर्ण है, जिससे प्रदेश भर के शिक्षकों में भारी रोष व्याप्त है।

पदाधिकारियों ने बताया कि इसी मुद्दे को लेकर प्रदेश के विभिन्न विकासखंडों में 'टेट मुक्ति मोर्चा' के तहत शिक्षक आंदोलन तेज किया जा रहा है। 'शिक्षक की पाती' अभियान के माध्यम से शिक्षक सरकार और जनप्रतिनिधियों को अपनी समस्याओं से अवगत करा रहे हैं।

शिक्षकों की प्रमुख मांग है कि पुराने शिक्षकों पर टीईटी की अनिवार्यता समाप्त की जाए। बैठक को संबोधित करते हुए जूनियर शिक्षक संघ के जिला मंत्री मनोज मिश्रा ने कहा कि जब तक शिक्षकों की मांगों पर सरकार सकारात्मक निर्णय नहीं लेती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने सभी शिक्षकों से एकजुट होकर इस अभियान को मजबूत बनाने का आह्वान किया।

बैठक में सुशील सचान, रामनरेश कटियार, सुरेंद्र कटियार, रज्जनलाल कुशवाहा, दिलीप सचान, अंजली पांडेय, योगेंद्र कटियार, राहुल देव, नीतू शर्मा, संजय कुमार, स्वेता शुक्ला, जीतेंद्र कुशवाहा, अमिता कुमार, सुरजीत कटियार समेत बड़ी संख्या में शिक्षक और शिक्षामित्र मौजूद रहे। अंत में सभी पदाधिकारियों ने एकजुट होकर अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया।

भटकते मिले मासूम का बरौर पुलिस ने परिजनों से कराया मिलन

तारनपुर में 4 वर्षीय बालक मिला अकेला, मिशन शक्ति केंद्र में देखभाल के बाद परिवार को सकुशल सौंपा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मानवता और संवेदनशीलता की मिसाल पेश करते हुए थाना बरौर पुलिस ने रात्रि गश्त के दौरान भटकते मिले चार वर्षीय मासूम को उसके परिजनों से मिलाकर सराहनीय कार्य किया है। पुलिस की इस तत्परता से एक परिवार की खुशियां फिर से लौट आईं।

घटना 16/17 मार्च की रात की है, जब ग्राम तारनपुर के चौकीदार ने सूचना दी कि एक छोटा बच्चा गांव में अकेला और घबराई हालत में घूम रहा है। सूचना मिलते ही बरौर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और बच्चे को अपने संरक्षण में ले लिया। पुलिस ने गांव और आसपास के क्षेत्रों में बच्चे की पहचान कराने का भरसक प्रयास किया, लेकिन कोई सफलता नहीं मिल सकी। मासूम अत्यधिक डरा हुआ था और कुछ बता पाने की स्थिति में नहीं था। ऐसे में पुलिस उसे थाना बरौर ले आई, जहां महिला आरक्षी मनीषा सोनकर की देखरेख में मिशन शक्ति केंद्र में बच्चे को भोजन कराया गया और पूरी रात उसकी देखभाल की गई।

मामले की जानकारी उच्चाधिकारियों और चाइल्ड हेल्पलाइन को भी दी गई। इसके बाद पुलिस ने बच्चे की फोटो के माध्यम से आसपास के गांवों में खोजबीन तेज कर दी। लगातार प्रयासों के बाद बच्चे की पहचान राज (4 वर्ष) पुत्र बबलू, निवासी ग्राम हरामऊ, थाना भोगनीपुर के रूप में हुई। परिजनों के अनुसार, पिता बबलू अपने बहनोई के यहां तारनपुर आए थे। खेत में पानी लगाते समय उन्होंने बच्चे को सुला दिया था, लेकिन वह उठकर चुपचाप वहां से निकल गया और रास्ता भटक गया।

बरौर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मासूम को सकुशल उसके माता-पिता के सुपुर्द कर दिया। अपने बच्चे को सुरक्षित पाकर परिजनों की आंखें नम हो गईं और उन्होंने पुलिस का आभार व्यक्त किया। वहीं, क्षेत्रीय लोगों ने भी पुलिस की इस मानवीय पहल की सराहना की। थानाध्यक्ष अमिता वर्मा के नेतृत्व में उपनिरीक्षक रणजीत कुमार, हेड कांस्टेबल संजीव और महिला आरक्षी मनीषा सोनकर ने पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करते हुए मासूम को सुरक्षित घर पहुंचाया।

जहरीले कीड़े के काटने से महिला की हालत बिगड़ी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के मुतैहेरापुर गांव में जहरीले कीड़े के काटने से एक महिला की हालत अचानक बिगड़ गई। परिजनों ने महिला को अर्ध बेहोशी की हालत में सीएचसी) पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।मुतैहेरापुर गांव निवासी सिद्धनाथ ने बताया कि उनकी पत्नी कमला देवी (55) घर के बाथरूम का पाइप साफ कर रही थीं। इसी दौरान उन्हें किसी जहरीले कीड़े ने काट लिया, जिससे उनकी तबीयत तेजी से बिगड़ने लगी। घबराए परिजन तुरंत उन्हें सीएचसी ले गए, जहां डॉ. गोविंद प्रसाद ने महिला का प्राथमिक उपचार किया। हालत गंभीर देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

सट्टी के पास ट्रैक्टर की टक्कर से युवक की मौत, दूसरा गंभीर

» **भोगनीपुर तहसील क्षेत्र में हादसा, सीएचसी पुखरायां से जिला अस्पताल रेफर**

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर तहसील क्षेत्र के सट्टी गांव के समीप तेज रफ्तार ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पुखरायां पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया, जबकि दूसरे की हालत नाजुक होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार, स्वरूपपुर दिबैर गांव निवासी मोहित (20) अपने चचेरे भाई शिवम के साथ बाइक से भोगनीपुर से सट्टी की ओर जा रहा था। जैसे ही वे सट्टी गांव के पास पहुंचे, तभी एक ट्रैक्टर चालक ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद आसपास के लोगों ने तत्काल दोनों को सीएचसी पुखरायां में भर्ती कराया। यहां जांच के बाद डॉक्टरों ने मोहित को मृत घोषित कर दिया, जबकि

शिवम की हालत गंभीर देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। मोहित की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है।

बेसिक विद्यालयों में 'नवारंभ समारोह' 25 को बाल वाटिका में बच्चों का होगा भव्य स्वागत

» **संकुल बैठक में शिक्षकों को बताई गई तैयारी की रूपरेखा, निपुण लक्ष्य पर जोर**

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात।विकास खंड मलासा के गुरुगाँव क्षेत्र में शिक्षक संकुल की बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्रधानाध्यापकों व शिक्षकों को 25 मार्च को आयोजित होने वाले 'नवारंभ समारोह' की तैयारियों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक की अध्यक्षता एआरपी कुलदीप सैनी ने की। उन्होंने बताया कि नई शिक्षा नीति के तहत पूर्व प्राथमिक शिक्षा को सुदृढ़ करने के लिए नए शैक्षिक सत्र की शुरुआत उत्सव के रूप में की जाएगी। इसके तहत बेसिक शिक्षा विभाग और बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग के समन्वय से सभी विद्यालयों में 'नवारंभ समारोह' आयोजित होगा। समारोह के दौरान 3 से 6 वर्ष तक के बच्चों का बाल वाटिका में स्वागत करते हुए प्रवेश कराया जाएगा। साथ ही विभिन्न शैक्षिक एवं रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन कर बच्चों में विद्यालय के प्रति रुचि बढ़ाई जाएगी।

बैठक में शिक्षकों को स्कूल रेडिनेस कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से लागू करने, आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान (एफएलएन) को मजबूत करने तथा निपुण लक्ष्य की प्राप्ति के लिए नियमित आकलन करने के निर्देश दिए गए।

इसके अलावा छात्र उपस्थिति बढ़ाने के लिए अभिभावकों से संवाद, डिजिटल माध्यमों के उपयोग और विद्यालयों में स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। इस दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सराहा गया। बैठक में आगामी कार्ययोजना भी तैयार की गई, जिसके तहत शिक्षकों को निर्धारित लक्ष्यों की जिम्मेदारी सौंपी गई।

अंत में सभी शिक्षकों ने निपुण भारत मिशन के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। बैठक में नोडल शिक्षक रजनीश सक्सेना, धर्मेंद्र सैनी, शैलेन्द्र कटियार, रिचा सचान, सुहानी सचान, ज्योति यादव, सिम्मी पटेल और रुचि पांडेय सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहीं।

चैत्र नवरात्रि पर विशेष

कात्यायनी देवी मंदिर: बीहड़ों में विराजती आस्था

» यमुना किनारे बीहड़ों के बीच स्थित प्राचीन धाम, नवरात्र में उमड़ता है जनसैलाब

» दस्यु गिरोहों से लेकर आम श्रद्धालुओं तक की अटूट आस्था

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जनपद के भोगनीपुर तहसील क्षेत्र में यमुना नदी के बीहड़ों के बीच स्थित कात्यायनी देवी का मंदिर न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि पौराणिक इतिहास और लोकविश्वासों से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। मुगल रोड से शाहजहांपुर गांव से लगभग 6 किलोमीटर दक्षिण, कथरी गांव में स्थित यह मंदिर बीते दो दशकों में विशेष ख्याति प्राप्त कर चुका है। यह मंदिर देवी के छठे स्वरूप मां कात्यायनी को समर्पित है, जिनका वर्णन हिंदू धर्मग्रंथों में अत्यंत प्रभावशाली और शक्तिशाली रूप में मिलता है। मान्यता है कि महर्षि कात्यायन की कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर देवी ने उनके यहां पुत्री रूप में जन्म लिया था, इसलिए उन्हें कात्यायनी कहा गया। यमुना के बीहड़ों में स्थित होने के कारण यह मंदिर एक समय दस्यु गिरोहों की भी आस्था का प्रमुख केंद्र रहा। कहा जाता है कि दस्यु किसी भी बड़े अभियान पर निकलने से पहले यहां आकर देवी का आशीर्वाद लेते थे। यह पहलू इस मंदिर को रहस्य और लोककथाओं से भी जोड़ता है।

मंदिर का वर्तमान स्वरूप साधु मौनी बाबा के प्रयासों से विकसित हुआ है, जिन्होंने इसके जीर्णोद्धार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह स्थान पहले अत्यंत जर्जर अवस्था में था, लेकिन बाबा की तपस्या और सेवा से यह भव्य रूप में स्थापित हुआ। पौराणिक मान्यता के अनुसार, ग्राम शाहजहांपुर के पंडित गजाधर ने संतान प्राप्ति की कामना पूरी होने पर यहां देवी की मूर्ति की स्थापना कराई थी। तब से यह स्थल मनोकामना पूर्ण करने वाला धाम माना जाता है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि सच्चे मन से मां से प्रार्थना करने पर हर इच्छा पूर्ण होती है।हर वर्ष नवरात्रि के अवसर पर यहां विशाल मेले का आयोजन होता है, जिसमें कानपुर देहात ही नहीं, बल्कि आसपास के कई जनपदों से हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं। मेले के दौरान पूरा क्षेत्र भक्ति और आस्था के रंग में डूब जाता है। मंदिर परिसर के आसपास भी ऐतिहासिकता के कई चिन्ह मौजूद हैं। पश्चिम दिशा में पुराना पक्का तालाब, पूर्व में बारादरी के खंडहर और उत्तर दिशा में स्थित कुआं इस स्थान के प्राचीन महत्व को दर्शाते हैं। बीहड़ों की कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद यहां पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है, जो इस मंदिर की बढ़ती लोकप्रियता और अटूट आस्था का प्रमाण है।

एक नजर में....

» मां कात्यायनी देवी का यह मंदिर यमुना के बीहड़ों में स्थित है

महर्षि कात्यायन की तपस्या से जुड़ी पौराणिक मान्यता

दस्यु गिरोहों की भी आस्था का प्रमुख केंद्र रहा

मौनी बाबा द्वारा मंदिर का जीर्णोद्धार कराया गया

पंडित गजाधर ने संतान प्राप्ति के बाद मूर्ति स्थापना कराई

नवरात्रि में भव्य मेला, दूर-दूर से श्रद्धालु आते हैं

परिसर में तालाब, बारादरी के खंडहर और कुआं ऐतिहासिकता के प्रतीक

रसूलाबाद में रोजा इफ्तार में दिखी गंगा-जमुनी तहजीब

सपा नेता की जानिब से हुआ विशाल रोजा इफ्तार, कई दिग्गज नेताओं की मौजूदगी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

रसूलाबाद, कानपुर देहात। पवित्र रमजान माह के अंतिम दौर में रसूलाबाद में आयोजित भव्य रोजा इफ्तार कार्यक्रम ने गंगा-जमुनी तहजीब की खूबसूरत मिसाल पेश की। सपा नेता अतहर खान भुट्टो की ओर से आयोजित इस अजीमुश्शान इफ्तार में हिंदू और मुस्लिम समुदाय के लोग एक ही मैदान में एक साथ बैठकर रोजा इफ्तार करते नजर आए, जिससे आपसी भाईचारे और सौहार्द का संदेश पूरे क्षेत्र में गूंज उठा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं सपा प्रभारी शिवकुमार बेरिया ने कहा कि रमजान का महीना इंसान को भूख और प्यास का एहसास कराता है, साथ ही गरीबों और जरूरतमंदों की मदद करने की सीख देता है। उन्होंने इसे सामाजिक एकता और मानवता का प्रतीक बताया। हजरत गुलपीर शाह रहमतुल्लाह अलैह के मैदान में आयोजित इस इफ्तार में जिले के कई बड़े नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। पूर्व ब्लॉक प्रमुख सुरेश यादव ने कहा कि रमजान का महीना आपसी भाईचारे, अमन-चैन और सौहार्द का संदेश देता है। वरिष्ठ सपा नेता आलोक बाजपेयी ने सामाजिक सद्भाव और धार्मिक सहिष्णुता को मजबूत करने का कार्य करते रहने की बात कही। सपा जिलाध्यक्ष अरुण कुमार बबलू राजा, पूर्व जिलाध्यक्ष समरथ पाल, पूर्व चेयरमैन सिकंदरा मुन्ना कुरैशी, राजकुमार यादव, पुष्पेंद्र यादव, विश्राम सिंह यादव, संतोष त्रिपाठी, सेखू खान, भोले कुरैशी, नीलम कठेरिया, इरशाद मिर्जा, वसीम अहमद, मुबीन सिद्दीकी, रुखसार कुरैशी, केके यादव, फरहान मिनी, सोहेल अहमद, राजेश तिवारी, गोपाल गुप्ता, आजाद अली, डॉ. मुस्तकीम, आरपी पाल, अब्बास खान, मुन्नू गुप्ता, आसिफ खान, राजू भदौरिया, शहबाज अली, नसीम अहमद, नरेंद्र यादव, वीरू कुशवाहा, उत्पल यादव, धीरज यादव, पीएस वर्मा, अजय यादव, अकरम वारसी आदि मौजूद रहे।

देखिए, गंदगी, अव्यवस्था और लापरवाही की जमीनी तस्वीर

» मलासा ब्लॉक के अरहरियामऊ में बदहाल हालात से लोग परेशान

» प्रशासन की लापरवाही और ब्लॉक अफसरों की मनमानी दिखी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। विकास खंड मलासा की अरहरियामऊ ग्राम पंचायत में सरकारी सिस्टम की नाकामी खुलकर सामने आ रही है। ग्राम सचिवालय, जहां से गांव के विकास की योजनाएं संचालित होनी चाहिए, उसी के सामने गंदगी का साम्राज्य फैला हुआ है। परिसर में पशु खुलेआम बांध रहे हैं और चारों ओर फैली झाड़ियां व कूड़ा साफ-सफाई व्यवस्था की पोल खोल रहे हैं।

चौंकाने वाली बात यह है कि करीब साढ़े चार वर्षों से अधिक के लंबे समय के बावजूद पंचायत भवन तक जाने के लिए आज तक पक्का रास्ता नहीं बन सका।

इससे साफ है कि विकास कार्य या तो फाइलों में दबे हैं या फिर जानबूझकर नजरअंदाज किए जा रहे हैं। मौके पर मौजूद पंचायत सहायक ने भी स्वीकार किया कि सचिवालय में साफ-सफाई के लिए कोई व्यवस्था नहीं है। यानी जिम्मेदारों ने इस बुनियादी जरूरत को भी पूरी तरह नजरअंदाज कर रखा है। ग्रामीणों का कहना है कि ब्लॉक मुख्यालय के अधिकारी केवल औपचारिकता निभाने तक सीमित हैं। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि करीब साढ़े चार साल बीत जाने के बाद भी पंचायत भवन तक जाने के लिए पक्का रास्ता तक नहीं बन सका। इससे ग्रामीणों को रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ता है, खासकर बारिश के समय हालात और बदतर हो जाते हैं। स्वराज इंडिया टीम द्वारा मौके पर किए गए रियलिटी चेक के दौरान पंचायत सहायक मौजूद मिलीं। उन्होंने साफ तौर पर बताया कि सचिवालय में साफ-सफाई के लिए कोई समुचित व्यवस्था नहीं है।

क्या बोले जिम्मेदार अधिकारी

इस सम्बन्ध में जब जिले के डीपीआरओ विकास पटेल से संपर्क किया गया तो उन्होंने कहा इस सम्बन्ध में कोई जानकारी नहीं है। मौके का निरीक्षण किया जायेगा ओर संबंधित ग्राम सचिव ओर प्रधान से जवाब तलब किया जायेगा।

अफसरों की अनदेखी, कागजों में विकास

स्थानीय लोगों का आरोप है कि ब्लॉक मुख्यालय के अधिकारी सिर्फ औपचारिक निरीक्षण तक सीमित रहते हैं और जमीनी हकीकत से अनजान बने रहते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार शिकायत के बावजूद न तो सफाई की व्यवस्था हुई और न ही रास्ते का निर्माण कराया गया। जिला प्रशासन की उदासीनता और ब्लॉक अधिकारियों की मनमानी के चलते गांव में विकास कार्य ठप पड़े हैं। सचिवालय जैसे महत्वपूर्ण स्थान की यह दुर्दशा सरकारी दावों की सच्चाई उजागर कर रही है। ग्रामीणों में आक्रोश गांव के लोगों में इस लापरवाही को लेकर भारी नाराजगी है। उनका कहना है कि यदि जल्द ही हालात नहीं सुधरे, तो वे उच्च अधिकारियों से शिकायत करने के साथ आंदोलन करने को भी मजबूर होंगे। सरकार भले ही गांवों के विकास के बड़े-बड़े दावे कर रही हो, लेकिन अरहरियामऊ जैसे गांवों की तस्वीर उन दावों को आईना दिखा रही है। अब देखना होगा कि जिम्मेदार अफसर जागते हैं या फिर हालात यूं ही बने रहते हैं।

घर आए दामाद का ससुर ने किया कत्ल

» प्रेम विवाह से नाराज ससुर ने दामाद की पीट-पीटकर हत्या, घर में मचा हड़कंप

» अधिवक्ता समेत 5 हिरासत में, पुलिस साजिश और विवाद दोनों एंगल पर जांच में जुटी

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। लखनऊ के आशियाना क्षेत्र में मंगलवार रात एक सनसनीखेज हत्या का मामला सामने आया है, जिसे 'ऑनर किलिंग' से जोड़कर देखा जा रहा है। सेक्टर-आई स्थित एक घर के बरामदे में 32 वर्षीय युवक का खून से लथपथ शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया।

मृतक की पहचान प्रतापगढ़ के सांगीपुर निवासी विष्णु यादव के रूप में हुई है, जिन्होंने चार साल पहले अधिवक्ता तीरथ राज सिंह की बेटी साक्षी से प्रेम विवाह किया था।

बताया जा रहा है कि ससुर इस शादी से नाराज थे और लंबे समय से दोनों के बीच तनाव चल रहा था।मंगलवार को पत्नी के कहने पर विष्णु अपनी ससुराल पहुंचे थे। रात करीब 10ः30 बजे किसी बात को लेकर उनका ससुर से विवाद हो गया, जो देखते ही देखते हिंसक हो गया। आरोप है कि गुस्से में तीरथ राज सिंह ने चारपाई का पाया उठाकर विष्णु के सिर पर कई वार किए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। बीच-बचाव करने आई पत्नी साक्षी भी इस दौरान घायल हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। विक्रांत वीर (डीसीपी मध्य) और एसीपी कैंट अभय प्रताप मल्ल ने फोरेंसिक टीम के साथ साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त लकड़ी का डंडा बरामद कर लिया है।पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी अधिवक्ता तीरथ राज सिंह और उनकी चार बेटियों को हिरासत में ले लिया है। मामले में मृतक के परिजनों की तहरीर और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।पुलिस का कहना है कि यह जांच की जा रही है कि हत्या पूर्व नियोजित थी या अचानक हुए विवाद का नतीजा। इस घटना ने एक बार फिर प्रेम विवाह को लेकर समाज में मौजूद कट्टर सोच और उससे उपजी हिंसा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अब कक्षा 7 के परीक्षा प्रश्न को लेकर विवाद गहराया

» शिक्षक संघ ने जताई आपत्ति, कार्रवाई की मांग

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

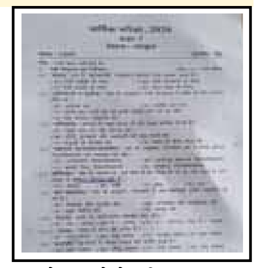

आगरा/लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भर्ती एवं शैक्षिक परीक्षाओं के प्रश्नपत्रों को लेकर एक बार फिर विवाद खड़ा हो गया है। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने बेसिक शिक्षा विभाग की एक परीक्षा में पूछे गए कथित आपत्तिजनक प्रश्न को लेकर कड़ी नाराजगी जताई है और इसे एक वर्ग विशेष की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला बताया है।संघ के प्रदेश संगठनमंत्री बृजेश दीक्षित ने आरोप लगाया कि परीक्षा में पूछा गया प्रश्न – ÷बिना पैर के दूर तक जाता है, और साक्षर है परंतु पण्डित नहीं है÷ – पाठ्यक्रम से बाहर है और इसे जानबूझकर शामिल किया गया है। उनका कहना है कि संबंधित पाठ्यपुस्तकों में इस प्रकार की कोई पहेली शामिल नहीं है, ऐसे में यह प्रश्न संदिग्ध प्रतीत होता है।उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रश्न न केवल परीक्षाओं की पारदर्शिता पर सवाल खड़े करते हैं, बल्कि समाज में अनावश्यक विवाद भी उत्पन्न करते हैं। संघ ने मांग की है कि प्रश्नपत्र तैयार करने वाले जिम्मेदार लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। अन्यथा संगठन आंदोलन करने को बाध्य होगा।

गौरतलब है कि इससे पहले भी उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती परीक्षा में पूछे गए एक प्रश्न को लेकर विवाद हुआ था, जिसमें एक विकल्प को लेकर सामाजिक संवेदनशीलता पर सवाल उठे थे और इस पर व्यापक प्रतिक्रिया देखने को मिली थी।

इस पूरे मामले में अभी तक बेसिक शिक्षा विभाग या परीक्षा आयोजन करने वाली एजेंसी की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। हालांकि, शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि प्रश्नपत्र निर्माण में विशेष सावधानी बरतना आवश्यक है, ताकि किसी भी प्रकार की सामाजिक या सांस्कृतिक भावना आहत न हो।

पूर्व विधायक विजय सिंह के घर हुए विस्फोट का मामला

पूर्व विधायक के दो लड़कों सहित आठ लोगो के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

फॉरेंसिक टीम, डीवीआर और बम निरोधक टीम की पड़ताल से खुलासा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

फर्रुखाबाद। भाजपा के कद्दावर नेता एवं प्रदेश के राजस्व मंत्री स्वर्गीय ब्रह्म दत्त द्विवेदी की हत्या के मामले में बनारस जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे पूर्व सदर विधायक विजय सिंह उर्फ उस्ताद के घर मंगलवार की रात अचानक विस्फोट होने से खिड़की दरवाजे टूटकर नीचे गिर गए यही नहीं विस्फोट में उनके दोनों लड़के सहित आठ लोग घायल हुए हैं, घायलों को निजी चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है जहां उनका इलाज किया जा रहा है ।

घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद उप निरीक्षक इमरान फरीद ने फर्रुखाबाद सदर कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि दो घायल एवं झूलसे हुए व्यक्ति पूर्व विधायक विजय सिंह के लड़के अविनाश उर्फ विक्की व अभिषेक उर्फ सिक्की ई रिक्शा से जा रहे थे और कहा कि घर में भयानक विस्फोट हो गया है जिसमें 5 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं कुछ लोग मौके पर पड़े हुए हैं उप निरीक्षक ने पूर्व विधायक के आवास के अंदर घुसते ही देखा कि फर्श टूटा पड़ा था छत उखड़ गई थी उसमें रखा सारा सामान बिखरा पड़ा था एक व्यक्ति भैया लाल पुत्र हरिकिशन निवासी नूरपुर

घायल विधायक पुत्र

घायल अवस्था में दवा पड़ा था जिसको सिपाहियों की मदद से निकलकर अस्पताल पहुंचाया गया द्य पूछने पर पता चला कि घायलों में विक्की सिक्की के अलावा यीशु चौरसिया, रामवीर यादव निवासी रेलवे स्टेशन रासु मिश्रा ,भैया लाल नूरपुर बाकी अन्य लोगों को जनता ने अस्पताल पहुंचाया था। रिपोर्ट में उल्लेख किया है कि टूटे हुए बेसमेंट से विस्फोटक पदार्थ की बदबू आ रही थी ।

उप निरीक्षक ने मौके की स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि मकान में मौजूद घायलो द्वारा अवैध विस्फोटक पदार्थ का संग्रह कर निर्माण किया जा रहा था जिस कारण यह घटना घटित हुई है लोगों की जान का खतरा उत्पन्न हो गया और अफरातफरी मच गई द्य उप निरीक्षक ने आठ लोगों के नाम रिपोर्ट दर्ज कराई है।

मंगलवार की रात घटना की सूचना पर जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी पुलिस अधीक्षक आरती सिंह पुलिस टीम के साथ पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष दमयंती सिंह के घर पहुंच कर विस्फोट के बारे में गहनता से हड़ताल की, घटनास्थल पर अपर पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह क्षेत्राधिकारी नगर ऐश्वर्या उपाध्याय ने पूर्व पालिका अध्यक्ष से पूछताछ की मकान के अंदर क्षतिग्रस्त घटनास्थल का निरीक्षण किया। बताते हैं कि पूर्व विधायक जिस स्थान पर बैठे थे वहां से ऊपर जाने वाले रास्ते के निकट विस्फोट हुआ है विस्फोट स्थल के नीचे तहखाना है कोतवाली प्रभारी दर्शन सिंह सोलंकी ने नीचे तहखाना में जाकर निरीक्षण किया। विस्फोट से पूरा मकान क्षतिग्रस्त हो गया खिड़कियों के शीशे टूटकर सड़क पर जाकर गिरते ही आसपास के लोगों में अफरातफरी मच गई और लोग विधायक के घर पहुंच गए तो लोगों ने देखा कि विधायक पुत्र सिक्की बिक्की, नूरपुर के पूर्व प्रधान भैया चौहान घायल हुए पुलिस ने उन्हें साहबगंज चौराहा स्थित भारत नर्सिंग होम में भर्ती कराया जबकि मोहल्ला राजीव गांधी नगर निवासी रामू मिश्रा को लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया।

गंगा में नाव पर इफ्तार पार्टी का वीडियो वायरल, 14 गिरफ्तार

मांसाहार परोसने और अवशेष नदी में फेंकने का आरोप, धार्मिक भावनाएं आहत करने में केस दर्ज

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

वाराणसी। वाराणसी की पवित्र गंगा नदी में नाव पर इफ्तार पार्टी आयोजित करने का मामला सामने आने के बाद हड़कंप मच गया है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अब तक 14 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।वीडियो में कुछ लोग गंगा के बीच नाव पर बैठकर इफ्तार करते और मांसाहार, खासकर चिकन बिरयानी का सेवन करते दिखाई दे रहे हैं। स्वराज इंडिया वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

आरोप है कि खाने के बाद उसके अवशेष भी गंगा में फेंके गए, जिससे धार्मिक भावनाएं आहत होने और जल प्रदूषण का मामला बन गया।मामले का संज्ञान लेते हुए भारतीय जनता युवा मोर्चा के महानगर अध्यक्ष रजत जायसवाल ने कोतवाली थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की थी। इसके बाद पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं और जल प्रदूषण निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया।हिंदू संगठनों ने इस घटना पर कड़ा विरोध जताया है और इसे आस्था के साथ खिलवाड़ बताया है। पुलिस ने जिस नाव पर यह आयोजन हुआ, उसकी भी पहचान कर ली है और अब नाव मालिक व चालक के खिलाफ लाइसेंस निरस्त करने की कार्रवाई की जा रही है।विजय प्रताप सिंह (एसीपी कोतवाली) के अनुसार, वायरल वीडियो के आधार पर तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी की गई है और मामले में आगे की जांच जारी है।

अयोध्या में नामित सभासदों की सूची पर मचा बवाल

» बीजेपी की नियुक्तियों पर उठे सवाल, मृतक के नाम से लेकर नियमों की अनदेखी तक चर्चा

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। नगर पंचायतों में नामित सभासदों की हालिया सूची ने अयोध्या की सियासत में नया विवाद खड़ा कर दिया है। शासन से जारी सूची में कई ऐसे नाम सामने आए हैं जिन पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। सबसे चौंकाने वाला

मामला सुचितागंज-खिरौनी नगर पंचायत का है, जहां स्थानीय लोगों के अनुसार दिवंगत राजवंश पासी का नाम नामित सभासद के रूप में दर्ज हो गया है। वहीं भरतकुंड-भदरसा नगर पंचायत में आंगनवाड़ी सहायिका मंजू निषाद को सभासद नामित किए जाने पर भी नियमों को लेकर चर्चा तेज हो गई है। विपक्ष और स्थानीय राजनीतिक हलकों में इसे सत्ताधारी भाजपा के संगठनात्मक प्रबंधन और चयन प्रक्रिया पर सवाल के रूप में देखा जा रहा है।

राजनीतिक जानकारों का कहना है कि नामांकन की प्रक्रिया में इतनी बड़ी चूक प्रशासनिक जांच की मांग करती है। फिलहाल यह सूची रामनगरी की राजनीति में बड़ा मुद्दा बन गई है और आने वाले दिनों में इस पर सियासी घमासान तेज होने के संकेत मिल रहे हैं।

एटीएम के सामने खड़ा 'मददगार' निकला ठग, मिनटों में साफ कर देता था खाते

फेवीक्विक से कार्ड फंसाकर बदल देते थे एटीएम, तीन शातिरों को पुलिस ने दबोचा

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। रामनगरी में एटीएम के बाहर खड़े होकर लोगों की 'मदद' करने वाले तीन शातिर ठग आखिरकार पुलिस के हत्थे चढ़ गए।

एसपी सिटी ने पत्रकारवार्ता में बताया कि थाना पूराकलन्दर पुलिस ने एटीएम बदलकर लोगों के खातों से रुपये उड़ाने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है।पुलिस के मुताबिक ये शातिर पहले एटीएम मशीन के कार्ड स्लॉट में फेवीक्विक लगा देते थे।

जैसे ही कोई ग्राहक पैसा निकालने के लिए कार्ड डालता, कार्ड मशीन में फंस जाता। तभी पास खड़ा एक ठग 'मददगार' बनकर आगे आता और चालाकी से पीड़ित का एटीएम कार्ड बदल देता। इसके बाद गिरोह के सदस्य दूसरे एटीएम से खाते से रुपये निकाल लेते थे।

पुलिस ने मोनू, पिंकू और मनीष नामक तीन आरोपियों को पिचासी कुंड मोड़ के पास से गिरफ्तार किया। इनके पास से करीब दो लाख रुपये नगद, एक कार, फेवीक्विक और अन्य सामान बरामद हुआ है।

पुलिस का कहना है कि गिरोह ने पूराकलन्दर और कोतवाली नगर क्षेत्र में कई वारदातों को अंजाम दिया था और इनके आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है।

न्यायिक अधिकारी से दुर्व्यवहार, टोल प्लाजा का घेराव

अयोध्या। फैजाबाद बार एसोसिएशन ने रौनाही टोल प्लाजा और रौनाही थाना प्रभारी के खिलाफ संघर्ष का एलान किया है। यह निर्णय न्यायिक अधिकारी से दुर्व्यवहार और अधिवक्ताओं के प्रति दुर्भावना के विरोध में लिया गया है। एसोसिएशन ने मंगलवार को हुई बैठक में टोल प्लाजा और थाने का घेराव करने की घोषणा की।एसोसिएशन के अध्यक्ष कालिका प्रसाद मिश्रा ने मंगलवार को हुई सामान्य सदन की बैठक में बताया कि टोल प्लाजा पर अधिवक्ताओं के साथ बदसलूकी के कई मामले सामने आए हैं। उन्होंने न्यायिक अधिकारी के साथ हुए दुर्व्यवहार पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया। उन्होंने थाना प्रभारी लाल चंद सरोज पर अधिवक्ताओं के प्रति दुर्भावना रखने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पूर्व अध्यक्ष विजय बहादुर सिंह के मामले में भी उनकी कार्यशैली खराब रही है। अध्यक्ष ने जोर देकर कहा, इन परिस्थितियों में अब संघर्ष ही एक रास्ता बचा है। सदन में मौजूद अधिवक्ताओं की सहमति से यह घेराव करने का निर्णय लिया गया। अध्यक्ष ने थाना प्रभारी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराने की कार्रवाई भी शुरू करने की बात कही। इस बैठक में पूर्व अध्यक्ष सूर्य नारायण सिंह, पूर्व उपाध्यक्ष राधेश्याम मिश्रा,चंद्र भान सिंह, विपिन मिश्रा, वीरेंद्र मिश्रा, लाल जी गुप्ता, राजेश यादव, राज कपूर सिंह, सुरेंद्र सिंह, राकेश मिश्रा, राज कुमार मौर्या सहित कई अधिवक्ता मौजूद रहे।

सरयू तट की जमीन पर खेल?

ग्राम समाज की आड़ में जमीन पर कब्जे का आरोप

» सरयू नगर विकास समिति के चेयरमैन अवधेश सिंह ने उठाए सवाल

» मांझा मीरापुर दबा के निवासियों को कब मिलेगा न्याय

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। सरयू तट से सटे मांझा मीरापुर दबा क्षेत्र की जमीन को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। सरयू नगर विकास समिति के चेयरमैन अवधेश सिंह ने आरोप लगाया है कि कूपक, अकूपक नदी, रेता, बालू सोती और जलमग्न भूमि को गलत तरीके से ग्राम समाज की जमीन बताकर स्थानीय निवासियों के अधिकारों को खत्म करने की कोशिश की जा रही है।

उनका कहना है कि यह प्रक्रिया न केवल विधि सम्मत नहीं है बल्कि इससे वर्षों से बसे लोगों के हक पर सीधा प्रहार हो रहा है।अवधेश सिंह का दावा है कि मांझा मीरापुर दबा का इलाका लंबे समय से आबाद क्षेत्र रहा है और इसे लेकर प्रशासनिक स्तर पर भी कई बार स्पष्ट आदेश जारी हो चुके हैं। इसके बावजूद जमीन को ग्राम समाज घोषित करने की कोशिशें सवाल खड़े कर रही हैं।

सरयू नगर विकास समिति ने चेतावनी दी है कि यदि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर वास्तविक स्थिति स्पष्ट नहीं की गई तो इसे बड़ा जनआंदोलन बनाया जाएगा।

समिति का कहना है कि सरयू तट की जमीन पर चल रहा यह विवाद सिर्फ जमीन का नहीं बल्कि हजारों लोगों के भविष्य और अधिकारों का सवाल बन चुका है।

शैलपुत्रीः मां दुर्गा की पहली शक्ति की पावन कथा

नवरात्रि में दुर्गा पूजा के अवसर पर दुर्गा देवी के नौ रूपों की पूजा-उपासना बहुत ही विधि विधान से की जाती है। इन रूपों के पीछे तात्विक अवधारणाओं का परिज्ञान धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक विकास के लिए आवश्यक है। आइए जानते हैं मां शैलपुत्री के बारे में...

मां दुर्गा को सर्वप्रथम शैलपुत्री के रूप में पूजा जाता है। हिमालय के वहां पुत्री के रूप में जन्म लेने के कारण उनका नामकरण हुआ शैलपुत्री। इनका वाहन वृषभ है, इसलिए यह देवी वृषारूढ़ा के नाम से भी जानी जाती हैं। इस देवी ने दाएं हाथ में त्रिशूल धारण कर रखा है और बाएं हाथ में कमल सुशोभित है। यही देवी प्रथम दुर्गा हैं। ये ही सती के नाम से भी जानी जाती हैं। उनकी एक मार्मिक कहानी है।

एक बार जब प्रजापति ने यज्ञ किया तो इसमें सारे देवताओं को निमंत्रित किया, भगवान शंकर को नहीं। सती यज्ञ में जाने के लिए विकल हो उठीं। शंकरजी ने कहा कि सारे देवताओं को निमंत्रित किया गया है, उन्हें नहीं। ऐसे में वहां जाना उचित नहीं है।

सती का प्रबल आग्रह देखकर शंकरजी ने उन्हें यज्ञ में जाने की अनुमति दे दी। सती जब घर पहुंचीं तो सिर्फ मां ने ही उन्हें स्नेह दिया। बहनों की बातों में व्यंग्य और उपहास के भाव थे। भगवान शंकर के प्रति भी तिरस्कार का भाव है। दक्ष ने भी उनके प्रति अपमानजनक वचन कहे। इससे सती को क्लेश पहुंचा।

वे अपने पति का यह अपमान न सह सकीं और योगाग्नि द्वारा अपने को जलाकर भस्म कर लिया। इस दारुण दुःख से व्यथित होकर शंकर भगवान ने उस यज्ञ का विध्वंस करा दिया। यही सती अगले जन्म में शैलराज हिमालय की पुत्री के रूप में जन्मीं और शैलपुत्री कहलाईं।

पार्वती और हेमवती भी इसी देवी के अन्य नाम हैं। शैलपुत्री का विवाह भी भगवान शंकर से हुआ। शैलपुत्री शिवजी की अर्द्धांगिनी बनीं। इनका महत्व और शक्ति अनंत है।

वन्दे वांच्छितलाभाय चंद्रार्धकृतशेखराम्।
वृषारुढ़ां शूलधरां शैलपुत्रीं यशस्विनीमं॥

ईरान युद्ध के बीच ट्रंप का चीन दौरा टला, खाड़ी में बढ़ता जा रहा तनाव

ड्रोन नुकसान से बदली अमेरिकी रणनीति, होर्मुज संकट, सहयोगियों की दूरी और तेल बाजार में उथल-पुथल के संकेत

स्वराज इंडिया ब्यूरो

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी अमेरिका-ईरान टकराव ने अब वैश्विक कूटनीति और सैन्य रणनीति दोनों को झकझोर दिया है। इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपना प्रस्तावित चीन दौरा टाल दिया है। यह दौरा महीने के अंत में होना था, लेकिन ईरान के साथ बढ़ते युद्ध तनाव के कारण इसे स्थगित कर दिया गया।

व्हाइट हाउस में मीडिया से बातचीत में ट्रंप ने कहा कि मौजूदा हालात को देखते हुए प्राथमिकताएं बदलनी पड़ी हैं, हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि दौरा रद्द नहीं हुआ है। उन्होंने उम्मीद जताई कि अगले 5-6 हफ्तों में वह चीन जाकर राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात करेंगे। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका-चीन संबंध ÷कामकाजी और मजबूत÷ हैं और इस देरी से द्विपक्षीय रिश्तों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। हालांकि जानकार इसे वैश्विक रणनीतिक समीकरणों में बदलाव का संकेत मान रहे हैं।

खाड़ी में तनाव और सहयोगियों से दूरीः ट्रंप ने नाटो और अन्य सहयोगी देशों पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा के लिए अपील के बावजूद अधिकांश देशों ने सैन्य सहयोग से दूरी बना ली। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा कि कई देश ईरान के परमाणु कार्यक्रम का विरोध करते हैं, लेकिन कार्रवाई में साथ नहीं दे रहे। ट्रंप ने नाटो को "एकतरफा व्यवस्था" बताते हुए कहा कि अमेरिका को अब स्वतंत्र रणनीति अपनानी होगी। मौजूदा हालात सिर्फ एक क्षेत्रीय संघर्ष नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन, ऊर्जा सुरक्षा और आधुनिक युद्ध रणनीति के बड़े बदलाव का संकेत दे रहे हैं। ट्रंप का चीन दौरा टलना और सहयोगियों से बढ़ती दूरी आने वाले समय में अंतरराष्ट्रीय राजनीति को नई दिशा दे सकती है।

ड्रोन युद्ध में अमेरिका को बड़ा झटका

ईरान के खिलाफ चल रही कार्रवाई में अमेरिका को तकनीकी स्तर पर बड़ा नुकसान हुआ है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अब तक कम से कम 11 अत्याधुनिक MQ-9 रीपर ड्रोन मार गिराए जा चुके हैं। प्रति ड्रोन कीमतः 30-32 मिलियन डॉलर। कुल अनुमानित नुकसानः 330 मिलियन डॉलर से अधिक। ईरान ने S-300 और खोरदाद-15 जैसे एयर डिफेंस सिस्टम का इस्तेमाल किया। विशेषज्ञों का कहना है कि ये ड्रोन आतंकवाद विरोधी अभियानों के लिए बने थे, लेकिन आधुनिक एयर डिफेंस के सामने कमजोर साबित हुए।

'लुकास' ड्रोन पर दांव

लगातार नुकसान के बाद अमेरिका अब कम लागत वाले 'लुकास' ड्रोन पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। यह ईरान के शाहेद-136 मॉडल से प्रेरित माना जा रहा है। सस्ता, तेज और बड़े पैमाने पर इस्तेमाल योग्य। भविष्य के 'स्वार्म ड्रोन युद्ध' की रणनीति का हिस्सा। विश्लेषकों के अनुसार, युद्ध अब महंगे हथियारों से हटकर 'कम लागत, ज्यादा संख्या' वाले मॉडल की ओर बढ़ रहा है।

युद्ध का विस्तारः खाड़ी में टकराव तेज

28 फरवरी से शुरू हुए अमेरिका-इजरायल सैन्य अभियान के बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई तेज कर दी है। ईरान ने खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया है और रणनीतिक रूप से अहम होर्मुज जलडमरूमध्य में गतिविधियां बाधित करने की कोशिश की है। यह जलडमरूमध्य दुनिया की तेल सप्लाई का सबसे अहम मार्ग माना जाता है, जहां से रोजाना वैश्विक तेल का बड़ा हिस्सा गुजरता है।

आगे क्या हो सकता है?

युद्ध की दिशा
- संघर्ष सीमित क्षेत्रीय युद्ध से "प्रॉक्सी वॉर" में बदल सकता है
- अमेरिका सीधे टकराव से बचते हुए तकनीकी युद्ध (ड्रोन, साइबर) पर फोकस कर सकता है
- ईरान अपने नेटवर्क (मिलिशिया/सहयोगी समूहों) के जरिए दबाव बढ़ा सकता है

क्या वैश्विक तेल संकट गहराएगा?
- होर्मुज जलडमरूमध्य बाधित हुआ तो तेल सप्लाई पर सीधा असर
- कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल संभव
- भारत जैसे आयातक देशों पर महंगाई का दबाव बढ़ेगा
- शिपिंग और बीमा लागत भी बढ़ सकती है

अमेरिका-चीन समीकरण
- ट्रंप का दौरा टलना रणनीतिक प्राथमिकताओं में बदलाव का संकेत
- चीन की भूमिका "मध्यस्थ" या "तटस्थ शक्ति" के रूप में बढ़ सकती है
- वैश्विक शक्ति संतुलन में नया समीकरण बन सकता है

सहयोगियों की दूरी का असर
- नाटो में दरार गहरी हो सकती है
- अमेरिका "एकल सैन्य कार्रवाई" की ओर बढ़ सकता है
- एशियाई सहयोगियों (जापान, दक्षिण कोरिया) की भूमिका सीमित दिख रही

युद्ध का नया चेहरा
- ड्रोन, AI और मिसाइल रक्षा सिस्टम युद्ध की दिशा तय करेंगे
- सस्ते हथियार बनाम महंगे सिस्टम रणनीतिक बदलाव
- "टेक्नोलॉजी बनाम संख्या" की लड़ाई तेज होगी

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **सपना देवी** द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादकः अनूप कुमार** **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 ❍ **Email:** swarajindia2023@gmail.com ❍ Mob: 7800009853, ❍ **Website:** www.swarajindianews.com ❍ (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे) **प्रधान संपादकः पुरुषोत्तम द्विवेदी**

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com